मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 75
गुरुवार, 24 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

2047 का विकसित भारत बनाने में युवा शक्ति अहमः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को यहां कहा कि असीमित अवसरों के साथ-साथ युवा पीढ़ी के सामने अनेक चुनौतियां भी हैं, ऐसे में यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि उनको सशक्त, सफल, संस्कारी तथा आत्मनिर्भर बनाए। वडोदरा के निकट पादरा में ब्रह्माकुमारीज के ग्लोबल स्पिरिचुअल पैलेस रिट्रीट सेंटर के उद्घाटन समारोह के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' का सपना तभी सच हो पाएगा जब देश के युवा जागरूक होंगे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, जब युवा अपने विचारों और भावनाओं को सकारात्मक दिशा में लगाते हैं, तो इसका असर उनके परिवारों, कार्यस्थलों, समुदायों और

अंततः पूरे देश पर पड़ता है।

उन्होंने कहा, अगर युवा जागृत हों, तो 2047 तक विकसित भारत' का सपना – जो न केवल आर्थिक बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी विकसित हो – साकार किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें सफल, सुसंस्कृत, आत्मनिर्भर, शांतिप्रिय और जिम्मेदार बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुर्मू ने कहा, बेहिसाब मौकों के साथ-साथ, युवा पीढ़ी को डिजिटल दुनिया, जानकारी की अधिकता, प्रतिस्पर्धा, बदलती जीवनशैली और सामाजिक उम्मीदों जैसी कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का युवाओं पर बुरा असर पड़ता है और हमें उन्हें आध्यात्मिकता और सकारात्मकता की ओर ले जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि इसलिए आंतरिक शक्ति खासकर आत्म-जागरूकता, आत्मविश्वास, एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्म-अनुशासन को बढ़ाना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि इस संदर्भ में, ब्रह्माकुमारीज जैसे संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दुनिया भर में उथल-पुथल के माहौल के साथ-साथ हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक बंटवारे से जुड़ी चुनौतियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में ध्यान, आत्म-चिंतन, करुणा और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाली पहल बहुत जरूरी हो जाती हैं।

संवैधानिक मामलों में देरी पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित, स्थायी संविधान पीठ गठित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान पीठों को भेजे जाने वाले संदर्भों के वर्षों तक लंबित रहने पर गंभीर चिंता जताई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले में बुधवार को अलग-अलग राय देने वाले न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि संदर्भों के निपटारे में अत्यधिक देरी स्वयं संस्थागत असहजता का कारण है और इससे बचने के लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। कोर्ट ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) से अनुरोध किया है कि संवैधानिक प्रश्नों का निर्णय करने के लिए एक स्थायी पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ गठित करने पर विचार करें। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने अपने आदेश में अनूप बरनवाल बनाम केंद्र सरकार मामले का

उदाहरण दिया। इसमें 2015 में अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर हुई थी। 2018 में इसे संविधान पीठ को भेजा गया और निर्णय आने में इसके बाद पांच वर्ष और लगे। इस तरह मामले को निर्णय तक पहुंचने में कुल आठ वर्ष लगे। ज्ञात हो कि यह वही मामला था जिसके बाद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और सेवा शर्तें व कार्यकाल अधिनियम 2023 बना। पीठ ने उत्तर प्रदेश बनाम जय बीर सिंह मामले का भी उल्लेख किया। इसमें सात-न्यायाधीशों की पीठ से किए गए संदर्भ को नौ-न्यायाधीशों की पीठ तक पहुंचने में नौ वर्ष लगे और इसके बाद निर्णय में पांच महीने और लगे। न्यायाधीशों ने कहा कि इससे पहले भी यह संदर्भ 2002 से 15 वर्ष तक लंबित रहा था। पीठ ने कहा कि ऐसे में याचिकाकताओं की यह चिंता उचित प्रतीत होती है कि पांच न्यायाधीशों की पीठ को भेजे गए संदर्भ वर्षों तक अनिर्णीत पड़े रहते हैं।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीजः न्यूजीलैंड की 16 सदस्यीय टीम घोषित, सैंटनर संभालेंगे कमान

वेलिंगटन, 23 सितम्बर। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। व्हाइट-बॉल कप्तान मिचेल सैंटनर टीम की अगुआई करेंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 22 अक्तूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 11 दिनों में चार शहरों में खेली जाएगी। यह भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है, जिसमें पांच वनडे और दो टेस्ट भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, दौरे के लिए अब तक 76 हजार से अधिक टिकट बिक चुके हैं। इस साल टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड की टीम के 13 खिलाड़ियों को आगामी सीरीज के लिए चुना गया है। चोट के

कारण विश्व कप से बाहर रहे माइकल ब्रेसवेल और तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की टीम में वापसी हुई है। 34 वर्षीय मिल्ने ने अब तक 243 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 56 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। वह एक साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड की टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में उनके अलावा लोकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जेमीसन और जैकब डफी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। जाक फाउल्क्स और नाथन स्मिथ युवा तेज गेंदबाजों के रूप में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर रचिन रवींद्र दाएं कंधे के खिसकने के कारण टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उन्हें चोट लगी थी। भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की टी20 टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लोकी फर्ग्यूसन, जैक फॉक्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जेमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ।

ज्ञानवापी के 35 साल पुराने मूलवाद में फिर आमने-सामने दलीलें

◆वादमित्र को हटाने की अर्जी पर बहस जारी, वक्फ बोर्ड बोला—सुप्रीम कोर्ट के आदेश तक आगे की कार्रवाई पर रोक रहे

सुरेश गांधी

वाराणसी। ज्ञानवापी से जुड़े वर्ष 1991 के मूलवाद में बुधवार को एक बार फिर अदालत में महत्वपूर्ण कानूनी बहस हुई। सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक) अभिषिक्ता यादव की अदालत में वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी को हटाने के लिए दाखिल अनुष्का तिवारी के प्रार्थनापत्र पर सुनवाई हुई। मामले में पक्षों की दलीलें जारी हैं। इस बीच सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से दाखिल उस प्रार्थनापत्र का मुद्दा भी अहम बना हुआ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मद्देनजर मुकदमे में आगे की प्रभावी कार्यवाही नहीं करने की मांग की गई है।

वादमित्र की नियुक्ति पर उठे सवालः अनुष्का तिवारी की ओर से वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी की नियुक्ति पर सवाल उठाए गए हैं। उनकी ओर से दलील दी गई कि वादमित्र की नियुक्ति उचित तरीके से नहीं हुई और यह मामला किसी व्यक्ति विशेष के बजाय हिंदू पक्ष के धार्मिक अधिकारों से जुड़ा है। इसके जवाब में वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से आपत्ति दाखिल की गई। उनकी ओर से कहा गया कि अनुष्का तिवारी इस मुकदमे में पक्षकार नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस स्तर पर हस्तक्षेप का विधिक अधिकार नहीं है। साथ ही यह भी दलील दी गई कि 1991 का मूलवाद प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रोविजंस) एक्ट, 1991 से बाधित नहीं है।

वक्फ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का दिया हवालाः मामले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर

से दाखिल प्रार्थनापत्र पर भी अदालत में दलीलें महत्वपूर्ण हैं। बोर्ड की ओर से सुप्रीम कोर्ट के 12 दिसंबर 2024 के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि ज्ञानवापी से संबंधित लंबित मामलों में शीर्ष अदालत के अगले आदेश तक कोई प्रभावी अंतरिम अथवा अंतिम आदेश पारित नहीं किया जाना चाहिए। बोर्ड ने इसी आधार पर मूलवाद में आगे की कार्यवाही रोकने की मांग की है। दूसरी ओर वादमित्र की ओर से इस मांग का विरोध किया गया है।

35 साल पुराने मुकदमे पर टिकी नजरः ज्ञानवापी से संबंधित यह मूलवाद वर्ष 1991 में दाखिल हुआ था। इसमें मंदिर निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार देने से जुड़े दावे किए गए हैं। करीब 35 वर्ष पुराने इस मुकदमे में अब अदालत के समक्ष एक ओर मुकदमे की आगे की कार्यवाही का प्रश्न है, वहीं दूसरी ओर वादमित्र की भूमिका और उनके खिलाफ दाखिल प्रार्थनापत्र पर भी बहस चल रही है।

श्रृंगार गौरी और तहखाने के मामलों में 15 अक्तूबर को सुनवाईः ज्ञानवापी से जुड़े दूसरे महत्वपूर्ण मामलों में भी बुधवार को कोई प्रभावी आदेश नहीं हुआ। जिला जज संजीव शुक्ल की अदालत में मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन की अनुमति तथा बंद तहखानों के एएसआई सर्वे की मांग से संबंधित मामलों की सुनवाई आगे बढ़ा दी गई है। अब इन मामलों में 15 अक्तूबर को सुनवाई होगी। इन मामलों में भी सुप्रीम कोर्ट के 12 दिसंबर 2024 के आदेश का प्रभाव है। शीर्ष अदालत ने ज्ञानवापी से संबंधित लंबित मामलों में अगले आदेश तक प्रभावी अंतरिम अथवा अंतिम आदेश पारित नहीं करने का निर्देश दिया था। फिलहाल ज्ञानवापी से जुड़े मामलों में अगली महत्वपूर्ण तारीखें—15 अक्तूबर और संबंधित 1991 मूलवाद की आगामी न्यायिक कार्यवाही—पर पक्षकारों और अधिवक्ताओं की नजर है।

भारत-जर्मनी के बीच बड़ी रक्षा डील की तैयारी, नई दिल्ली की मंजूरी बाद देश में बनेंगी पनडुब्बियां

नई दिल्ली। भारत और जर्मनी के बीच प्रस्तावित पनडुब्बी साझेदारी पर बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत में जर्मनी की रक्षा कंपनी थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ प्रस्तावित परियोजना को लेकर जर्मन राजदूत जास्पर विक ने कहा है कि भारत की ओर से जरूरी मंजूरियां पूरी होते ही जर्मनी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। जर्मन राजदूत ने स्पष्ट किया कि यह परियोजना केवल जर्मन पनडुब्बियों को भारत को बेचने तक सीमित नहीं होगी। उनके मुताबिक इसका प्रमुख उद्देश्य भारत में पनडुब्बियों का उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण है।

जास्पर विक ने कहा कि इस प्रस्ताव की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वास्तविक साझेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह जर्मन कंपनी द्वारा भारत को तैयार पनडुब्बियां बेचने की परियोजना नहीं है, बल्कि भारत में उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण पर आधारित

साझेदारी है। राजदूत के अनुसार, इस सहयोग का फायदा केवल संबंधित रक्षा कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत के व्यापक समुद्री औद्योगिक तंत्र को भी इससे लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी से समुद्री क्षेत्र में काम करने वाली कई कंपनियों और पूरे औद्योगिक तंत्र को फायदा होगा। भारत की मंजूरी का इंतजार समझौते पर हस्ताक्षर कब होंगे, इस सवाल पर जर्मन राजदूत ने कहा कि जर्मनी किसी भी समय आगे बढ़ने के लिए तैयार है। फिलहाल भारत की विभिन्न संबंधित प्राधिकरणों से अंतिम मंजूरियों का इंतजार है।

ब्रह्मोस से टैंक तकः भारत-रूस की रक्षा दोस्ती में बड़ा बदलाव, अब दोनों देश मिलकर बनाएंगे सैन्य उपकरण

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी रक्षा साझेदारी अब हथियारों की पारंपरिक खरीद से आगे बढ़कर संयुक्त विकास और भारत में सैन्य उपकरणों के उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ रही है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत की बढ़ती रक्षा उत्पादन क्षमता दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग के स्वरूप को बदल

रही है।भारत लंबे समय से रूसी मूल के लड़ाकू विमानों, टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, मिसाइल और वायु रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल करता रहा है। हालांकि, अब सहयोग का जोर केवल तैयार हथियार खरीदने के बजाय तकनीक, संयुक्त विकास और भारत में निर्माण पर बढ़ता दिखाई दे रहा है। हाल में नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई थी। इनमें राजनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा सहयोग के साथ रक्षा संबंध भी चर्चा के प्रमुख विषयों में शामिल बताए गए। इसके कुछ ही दिन बाद भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ रूस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए। यह करीब आठ साल बाद किसी सेवारत भारतीय थल सेना प्रमुख की रूस यात्रा थी। इससे पहले जनरल बिपिन रावत अक्टूबर 2018 में रूस गए थे। जनरल सेठ ने रूस में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ सैन्य सहयोग, प्रशिक्षण और रक्षा क्षमताओं से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। उनकी यात्रा के दौरान रूसी मूल की मौजूदा सैन्य प्रणालियों के उन्नयन, कलपुर्जों की उपलब्धता और रक्षा उद्योग से जुड़े विषय भी महत्वपूर्ण रहे।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

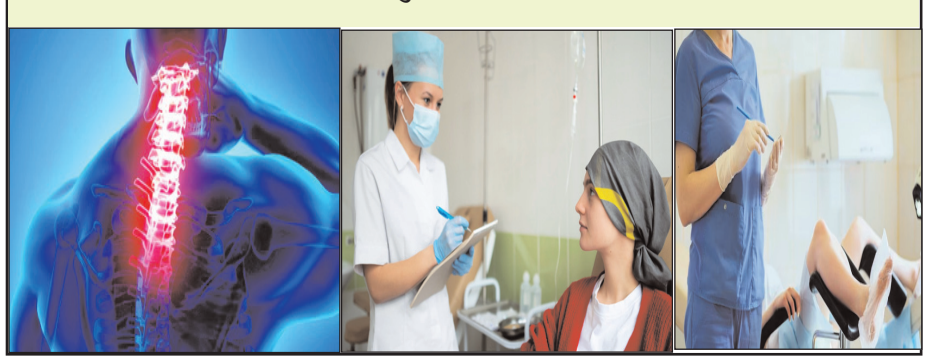

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अनंत चतुर्दशी : विदाई में छिपा है अगले मिलन का वादा

-सुरेश गांधी

एक तरफ ढोल की थाप पर गूंजेगा–गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ... दूसरी तरफ घरों में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा होगी और कलाई पर चौदह गांठों वाला अनंत सूत्र बंधेगा। एक ही दिन में भक्ति के दो रंग दिखाई देंगे–एक में विदाई होगी, दूसरे में संकल्प का बंधन। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाने वाली अनंत चतुर्दशी, जिसे अनंत चौदस भी कहा जाता है, सनातन परंपरा में भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की आराधना का पर्व है। इसी दिन दस दिवसीय गणेशोत्सव का भी समापन होता है। यह पर्व 25 सितंबर को मनाया जाएगा। ह्यअनंतह्न शब्द ही इस पर्व की आत्मा है। जिसका कोई अंत न हो, वही अनंत। भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा करते हुए भक्त जीवन में स्थिरता, सुख, समृद्धि और मंगल की कामना करते हैं। लेकिन अनंत चतुर्दशी को केवल गणपति विसर्जन का दिन समझना इस पर्व की आधी तस्वीर देखना है। इसके भीतर अनंत भगवान की पूजा, चौदह गांठों का रहस्य, कौण्डिल्य-सुशीला की कथा और पांडवों से जुड़ी मान्यता–सब एक साथ मौजूद हैं। मतलब साफ है एक ओर गणपति विसर्जन से उत्सव अपने चरम पर पहुंचता है, तो दूसरी ओर भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा और चौदह गांठों वाले अनंत सूत्र का विधान इस दिन को गहरी आध्यात्मिक अर्थवत्ता देता है। मानो एक ही दिन मनुष्य को दो विपरीत दिखने वाले, मगर भीतर से जुड़े हुए पाठ पढ़ाता है–छोड़ना भी सीखो और निभाना भी।

मिट्टी का गणपति, अनंत की आस्था

गणपति की प्रतिमा का जल में विसर्जन देखने में भले ही किसी उत्सव का अंत लगता हो, लेकिन सनातन दृष्टि में यह अंत नहीं, प्रकृति में लौटने की प्रक्रिया है। मिट्टी से आकार लिया। भक्तिभाव से पूजे गए। फिर उसी मिट्टी का जल में विलय।

यह चक्र बताता है कि संसार में कोई रूप स्थायी नहीं। शरीर हो या प्रतिमा, भवन हो या वैभव–हर आकार एक दिन अपने मूल तत्व में लौटता है। मगर जिस भाव से उसे देखा गया, जिस श्रद्धा से उसे पूजा गया, वह मनुष्य के भीतर रह जाता है। इसीलिए गणपति विसर्जन में केवल विदाई नहीं होती। वहां एक दार्शनिक सत्य भी बहता है–रूप नश्वर है, आस्था अनश्वर। गणपति जाते हैं, मगर उनके नाम का मंगलाचरण घर में रह जाता है। प्रतिमा जल में विलीन होती है, मगर बुद्धि-विवेक का स्मरण मन में बना रहता है।

और तभी कलाई पर बंधता है अनंत

गणपति को विदा करने वाले इसी दिन श्रद्धालु भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा करते हैं। हाथ में बंधता है अनंत सूत्र–चौदह गांठों वाला वह पवित्र धागा, जिसमें लोकविश्वास ने सुरक्षा, समृद्धि, संकल्प और स्थायित्व के भाव पिरो दिए हैं। चौदह गांठों को परंपरा में चौदह लोकों के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है। धागा साधारण है, लेकिन उसके साथ जुड़ा भाव असाधारण। कलाई पर बंधा यह सूत्र जैसे मनुष्य से कहता है–समय बदलता रहे, परिस्थितियां बदलती रहें, लेकिन अपने धर्म और शुभ संकल्प को मत छोड़ो। गणपति विसर्जन कहता है–जो आया है, उसे एक दिन लौटना है। अनंत सूत्र कहता है–लौटते हुए भी अपने मूल से जुड़े रहो। यही अनंत चतुर्दशी की अद्भुत द्वंद्वात्मक सुंदरता है।

चौदह गांठें और जीवन का विस्तार

अनंत सूत्र की चौदह गांठों को केवल धार्मिक कर्मकांड मानकर आगे बढ़ जाना इस पर्व की गहराई को छोटा कर देना होगा। भारतीय परंपरा ने गांठ को हमेशा संकल्प और स्मृति से जोड़ा है। कोई रिश्ता गांठ से बांधा जाता है तो कोई प्रतिज्ञा। गांठ खुलना केवल धागे का खुलना नहीं, किसी संकल्प के टूटने का प्रतीक भी बन सकता है। इसलिए अनंत सूत्र की गांठें जैसे मनुष्य को बार-बार याद दिलाती हैं कि जीवन केवल उपलब्धियों का नाम नहीं, बल्कि उन मूल्यों को निभाने का भी नाम है जिनके आधार पर जीवन खड़ा है। चौदह गांठें–मानो चौदह बार स्वयं से किया गया एक मौन संवाद। मैं अपने धर्म से जुड़ा रहूंगा। मैं अपने संकल्प से जुड़ा रहूंगा। मैं विपरीत परिस्थितियों में भी विश्वास नहीं छोड़ूंगा।

कौण्डिल्य और सुशीला की कथा : जब अहंकार ने अनंत को नकार दिया

अनंत चतुर्दशी की प्रसिद्ध व्रत-कथा में सुमन्त नामक ब्राह्मण और उनकी पुत्री सुशीला का प्रसंग आता है। सुशीला का विवाह कौण्डिल्य ऋषि से हुआ। एक दिन मार्ग में सुशीला ने कुछ स्त्रियों को भगवान अनंत की पूजा करते और चौदह गांठों वाला अनंत सूत्र धारण करते देखा। जिज्ञासा होने पर उसे व्रत का महत्व बताया गया। सुशीला ने श्रद्धापूर्वक अनंत व्रत किया और अनंत सूत्र धारण कर लिया। इसके बाद उनके जीवन में सुख-समृद्धि आने लगी। लेकिन कौण्डिल्य ऋषि को इस समृद्धि का कारण अपनी मेहनत लगा। उन्होंने अनंत सूत्र का महत्व स्वीकार नहीं किया और क्रोध में उसे तोड़कर अग्नि में डाल दिया। इसके बाद उनके जीवन से सुख-समृद्धि चली गई। जब उन्हें अपनी भूल का बोध हुआ तो वे भगवान अनंत की खोज में निकल पड़े। अंततः भगवान ने उन्हें दर्शन देकर व्रत की विधि बताई। कौण्डिल्य ने श्रद्धापूर्वक अनंत व्रत किया और उनके कष्ट दूर हुए। इस कथा का सबसे गहरा संदेश चमत्कार नहीं, बल्कि अहंकार और आस्था का संबंध है। मनुष्य अपनी उपलब्धियों का श्रेय स्वयं को दे सकता है, लेकिन भारतीय दर्शन उसे यह भी याद दिलाता है कि जीवन में बहुत कुछ ऐसा है जो उसके नियंत्रण से परे है।

गणपति की विदाई में काशी का भाव

काशी में धर्म केवल मंदिर की चौखट तक सीमित नहीं रहता। वह गलियों से गुजरता है, घाटों तक पहुंचता है और लोकजीवन का हिस्सा बन जाता है। गणपति विसर्जन के दौरान भी यही दृश्य दिखाई देता है। गलियों में निकलती शोभायात्राएं, ढोल की गूंज, अबीर-गुलाल, हाथों में गणपति की प्रतिमाएं और बार-बार उठता जयघोष–पूरा वातावरण एक जीवंत धार्मिक आख्यान में बदल जाता है। लेकिन उत्सव की इस चहल-पहल के बीच काशी का अपना दर्शन भी है। यह शहर मृत्यु को भी जीवन की तरह स्वीकार करना जानता है। यहां विदाई को भी अंतिम शब्द नहीं माना जाता। शायद इसीलिए गणपति की विदाई भी यहां केवल बिछोह नहीं बनती। काशी में विदाई का अर्थ अक्सर अगली प्रतीक्षा होता है। गणपति को विदा करते समय भक्त कहते हैं–ह्यअगले बरस तू जल्दी आ। यानी विदाई के क्षण में भी भविष्य का उत्सव जन्म ले चुका होता है।

विसर्जन में अंत नहीं, लौटने का विश्वास

गणेश चतुर्थी पर घर आए गणपति दस दिनों तक पूजे जाते हैं। आरती होती है, मोदक का भोग लगता है, परिवार की मंगलकामना की जाती है और घर-आंगन में उत्सव उतर आता है। फिर अनंत चतुर्दशी आती है। जिस प्रतिमा को इतने प्रेम से स्थापित किया गया था, उसे जल में विसर्जित कर दिया जाता है। बाहर से देखने पर यह विदाई है, लेकिन सनातन दृष्टि में यह रूप का मूल तत्व में लौटना है। मिट्टी से बनी प्रतिमा मिट्टी और जल में विलीन होती है। देवत्व का भाव भक्त के भीतर रह जाता है। इसीलिए गणपति विसर्जन का सबसे मार्मिक क्षण वह नहीं जब प्रतिमा जल में उतरती है, बल्कि वह है जब भक्त कहते हैं–अगले बरस तू जल्दी आ। विदाई के उसी क्षण अगली भेंट का संकल्प जन्म ले लेता है।

प्रकृति के सामने मनुष्य का विनम्र होना: गणपति विसर्जन का एक और गहरा संदेश प्रकृति से जुड़ा है। मनुष्य ने मिट्टी को आकार दिया। उसे देवत्व के भाव से प्रतिष्ठित किया। फिर उसी आकार को जल में समर्पित कर दिया। यह प्रक्रिया मनुष्य को याद दिलाती है कि वह प्रकृति का स्वामी नहीं, उसका हिस्सा है। आज पर्यावरण के संदर्भ में गणेश प्रतिमाओं के निर्माण और विसर्जन को लेकर जागरूकता भी बढ़ी है। प्राकृतिक सामग्री से बनी प्रतिमाएं और निर्धारित विसर्जन स्थलों का उपयोग धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। सनातन परंपरा का मूल भाव भी यही रहा है–प्रकृति पूज्य है, उपभोग की वस्तु मात्र नहीं।

पांडवों से भी जुड़ा है अनंत व्रत: अनंत चतुर्दशी की कथा महाभारत से भी जुड़ती है। प्रचलित व्रत-कथा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा युधिष्ठिर को अनंत व्रत का माहात्म्य बताए जाने का उल्लेख है। इसके बाद युधिष्ठिर ने विधिपूर्वक व्रत किया और पांडवों के लिए राज्य-प्राप्ति तथा विजय से जुड़ी मान्यता कथा में आती है। इसलिए अनंत चतुर्दशी को केवल धन-समृद्धि की कामना का पर्व मानना भी अधूरा है। इसके केंद्र में धैर्य, विश्वास, संकल्प और विपरीत परिस्थितियों में धर्म पर टिके रहने का भाव है। मान्यता है कि गणेश ने निरंतर लेखन किया और इसी से गणेशोत्सव की दस दिवसीय परंपरा को जोड़ा जाता है। इसी लोकप्रिय मान्यता के अनुसार दस दिनों तक निरंतर लेखन के बाद गणेश के शरीर पर धूल-मिट्टी जम गई और शरीर का ताप बढ़ गया। वेदव्यास ने उन्हें स्नान कराया और इसके बाद गणेशोत्सव के दस दिनों की परंपरा को गणेश चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक जोड़कर देखा जाता है। यह कथा गणेश को केवल विघ्नहर्ता नहीं, बल्कि ज्ञान, लेखन और बुद्धि के आराध्य के रूप में भी स्थापित करती है।

नकली व बेलगाम दवाओं के खिलाफ अब अदालत का ही आसरा

अशोक भाटिया

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में जहां जन-कल्याण को शासन का मूलमंत्र माना जाता है, वहां स्वास्थ्य का क्षेत्र एक गंभीर संक्रमण काल से गुजर रहा है। बीमारियां जिस रफ्तार से बढ़ रही हैं, उससे कहीं अधिक तेजी से चिकित्सा के नाम पर इंसानी जिंदगियों से खिलवाड़ का एक भयावह और अनैतिक तंत्र विकसित हो चुका है। हाल ही में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में मुनाफे की हवस और मरीजों के साथ हो रही धोखाधड़ी की गूंज देश की सबसे बड़ी अदालत में सुनाई दी है। न्याय के सर्वोच्च मंदिर ने दवा निमार्ताओं, अस्पतालों और सरकारी नियामक संस्थाओं के रवैये पर जो तल्ख टिप्पणियां की हैं, उसने हमारे पूरे स्वास्थ्य तंत्र की रीढ़ को हिलाकर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रयुक्त यह वाक्य–यह तो सीधे तौर पर दिन-दहाड़े डकैती है–महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि उस लाचार भारतीय नागरिक की सामूहिक चीख का प्रतिनिधित्व करता है, जो बीमारी से पहले इलाज के खर्च और उसमें होने वाली जालसाजी से मर जाता है। न्यायालय के समक्ष जो तथ्य उभरकर सामने आए हैं, वे किसी भी संवेदनशील समाज को स्तब्ध करने के लिए पर्याप्त हैं। खासकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जूझ रहे मरीजों के घावों पर जिस तरह मुनाफाखोरी का नमक छिड़का जा रहा है, वह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। अदालत के संज्ञान में लाया गया कि कैंसर की एक आवश्यक जीवन रक्षक दवा, जिसकी कीमत निमार्ता कंपनी द्वारा रिटेलर के लिए महज 2,700 तय की जाती है, उस पर अधिकतम खुदरा मूल्य पूरे 27,000 छाप दिया जाता है। यानी कि लागत और थोक मूल्य से ठीक दस गुना अधिक दाम पर उस दवा को बेचे जाने की खुली छूट दे दी गई। एक पीड़ित परिवार और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दायर की गई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए माननीय न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस अकल्पनीय मूल्य अंतर पर गहरी नाराजगी जताई। अदालत ने सीधे शब्दों में सवाल पूछा कि मरीजों को इस तरह बेदर्दी से लूटने की इजाजत व्यवस्था कैसे दे सकती है? निमार्ता कंपनियां और बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट फार्मेसियां मिलकर मरीजों की जेब पर जो डाका डाल रही हैं, उस पर राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण और स्वास्थ्य मंत्रालय जैसी नियामक इकाइयां आंखें मूंदकर क्यों बैठी हैं?

यह मामला सिर्फ निजी क्षेत्र की लूट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के खजाने और टैक्सपेयर्स के पैसे में सेंधमारी का भी एक बड़ा घोटाला साबित हो रहा है। आज केंद्र सरकार 'आयुष्मान भारत', CGHS और DGHS जैसी लोक-कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब और मध्यम वर्ग के इलाज का खर्च उठाती है। निजी अस्पताल इन्हीं बढ़ी हुई और मनमानी एमआरपी पर दवाएं खरीदते हैं और बाद में सरकारी खजाने से उसका शत-प्रतिशत रीइम्बर्समेंट क्लेम करते हैं। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि चंद दवा माफियाओं और निजी अस्पतालों की तिजोरियां भरने के लिए आम जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई को पानी की तरह बहाया जा रहा है। करदाताओं का पैसा जो देश के बुनियादी ढांचे और लोक-कल्याण में लगना चाहिए था, वह दवा कंपनियों की साठगांठ की भेंट चढ़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस ओर ध्यान दिलाते हुए इसे 'स्पष्ट रूप से देश और जनता के साथ एक बड़ा फ्रॉड' करार दिया है। इस संदर्भ में एक अहम सुझाव यह भी आया कि क्यों न देश की सभी जीवन रक्षक दवाओं को एक

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

एकीकृत मूल्य-नियंत्रण के दायरे में ला दिया जाए, जिससे जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं का यह पूरा कृत्रिम भ्रम ही समाप्त हो जाए और दवाएं समान दाम पर उपलब्ध हो सकें।

एक तरफ जहां दवाओं के नाम पर यह संस्थागत और कानूनी लूट जारी है, वहीं दूसरी तरफ 'नकली दवाओं' का एक समानांतर और अंडरग्राउंड अंडरवर्ल्ड चल रहा है, जो सीधे मौत का व्यापार कर रहा है। हाल ही में बेंगलुरु में विशेष जांच दल और औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा संयुक्त छापेमारी में एक बहुत बड़े अंतरराज्यीय नकली कैंसर दवा रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। जांच में जो तथ्य सामने आए, वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। वीरेश कुमार जैन नामक एक फार्मासिस्ट की मुख्य संलिप्तता वाले इस गिरोह ने करीब 90 से अधिक प्रतिष्ठित अस्पतालों और क्लीनिकों में पिछले पांच वर्षों से नकली तथा एक्सपायर्ड हो चुकी कैंसर और आईसीयू दवाओं की धड़ल्ले से आपूर्ति की। ये अपराधी एक्सपायर हो चुकी दवाओं को दोबारा प्रोसेस करते थे, उन्हें चमचमाते नए डिब्बों में पैक करते थे, नामचीन अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फार्मा ब्रांडों के नकली होलोग्राम और लेबल लगाते थे और अस्पतालों के परचेजिंग डिपार्टमेंट को आकर्षित करने के लिए पचास प्रतिशत तक के भारी डिस्काउंट का लालच देते थे। पांच साल तक, यानी कि 1,800 से अधिक दिनों तक अस्पतालों के खरीद तंत्र ने बिना किसी लैब टेस्टिंग या प्रामाणिकता की जांच किए, सिर्फ मुनाफे के लालच में इन नकली दवाओं को खरीदा और उन लाचार मरीजों के जिस्म में कीमोथेरेपी के नाम पर जहर के रूप में उतार दिया जो अपनी जिंदगी की आखिरी उम्मीद लेकर वहां आए थे।

इस घिनौने अपराध की जद सिर्फ बेंगलुरु तक सीमित नहीं है; इसके तार कर्नाटक से लेकर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र तक फैले हुए हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि नकली दवाओं का नेटवर्क देशव्यापी नेटवर्क बन चुका है। कुछ समय पूर्व नागपुर के सरकारी अस्पताल में भी एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया था, जहां मरीजों को दी जाने वाली गोलियों में मुख्य औषधीय साल्ट की जगह साधारण टेलकम पाउडर भरा हुआ था। जब किसी मरीज को एंटीबायोटिक या कैंसर रोधी दवाओं के नाम पर टेलकम पाउडर या चाक की गोलियां दी जाएंगी, तो उसका ठीक होना तो दूर, बीमारी और अधिक आक्रामक होकर उसकी जान ले लेगी। कानून के नजरिए से देखें तो यह धारा 302 यानी सीधे-सीधे हत्या का मामला बनता है, न कि केवल ट्रेडमार्क के उल्लंघन या मिलावट का। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 में कहने को तो आजीवन कारावास और जब्त माल की कीमत का तीन गुना जुमार्ने जैसे सख्त कानूनी प्रावधान शामिल किए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक धरातल पर अपराधियों को इसका कोई खौफ नजर नहीं आता। वजह साफ है–कमजोर लूपहोल्स का फायदा उठाकर अपराधी अक्सर जमानत पर बाहर आ जाते हैं और फिर से अपना वही खूनी कारोबार शुरू कर देते हैं।

यही कारण है कि देश की जनता और न्यायविदों को अब इस भयावह संकट से उबरने के लिए न्यायपालिका की ओर देखना पड़ रहा है। अब जब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, तो अदालती हस्तक्षेप ही एकमात्र उम्मीद बची है। अदालतों में दायर हालिया याचिकाओं में यह मांग बिल्कुल जायज है कि नकली और अत्यधिक महंगी दवाओं के मामलों की जांच के लिए तीन महीने की सख्त समय-सीमा तय हो और फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से एक वर्ष के भीतर दोषियों को फांसी या उम्रकैद जैसी नजीर बनने वाली सजाएं दी जाएं। साथ ही, इस धंधे से अर्जित की गई अपराधियों और उनके परिवारों की पूरी चल-अचल संपत्ति को तुरंत कुर्क किया जाना चाहिए। दवा उद्योग को आत्ममंथन करना होगा कि जब आबकारी विभाग अपनी शराब की बोतलों पर क्यूआर कोड और ट्रैक-एंड-ट्रेस मैकेनिज्म लागू करके एक-एक बूंद का हिसाब रख सकता है, तो ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया देश की जीवन रक्षक दवाओं के लिए वैसा ही अचूक और फुलप्रूफ डिजिटल बारकोडिंग सिस्टम देशव्यापी स्तर पर अनिवार्य क्यों नहीं कर पा रहा है? शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड का नियम लागू करना एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इसे देश की हर छोटी-बड़ी मेडिकल वाइल और टैबलेट स्ट्रिप पर अनिवार्य करना होगा।

दवाइयों के इस दोतरफा संकट–एक तरफ कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई बेलगाम कीमतें और दूसरी तरफ नकली दवाओं का जानलेवा जाल–ने चिकित्सा पेशे की विश्वसनीयता को भी दांव पर लगा दिया है। जब तक सरकारें राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाएंगी और स्वास्थ्य को कॉर्पोरेट घरानों के मुनाफे का जरिया बनने से नहीं रोकेंगी, तब तक आम आदमी को न्याय नहीं मिल सकता। फार्मा लॉबी की ताकत के आगे सरकारी अमले की कथित और रहस्यमयी चुप्पी इस बात का संकेत है कि बिना अदालती हंटर के यह तंत्र सुधरने वाला नहीं है। २,७०० की दवा को २७,००० में बेचना अगर डकैती है, तो नकली दवाएं बेचना सीधे-सीधे नरसंहार है। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीखें तय कर सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अदालत का यह सख्त रुख देश की नीति-नियंताओं की कुंभकर्णी नींद को तोड़ेगा। देश को अब भाषणों और आश्वासनों की नहीं, बल्कि एक ऐसे कठोर कानून और पारदर्शी मूल्य निर्धारण व्यवस्था की जरूरत है, जहां किसी भी मां, बहन या पिता को पैसे के अभाव में या नकली दवा के जहर के कारण तड़प-तड़प कर दम न तोड़ना पड़े। स्वास्थ्य हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, और इसे मुनाफाखोरों की मंडी बनने से बचाना ही आज के समय की सबसे बड़ी राष्ट्रीय चुनौती है।

लालबाग के राजा के दर्शन के साथ देखी मुंबई की चमक-दमक

मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ अरब सागर के किनारे स्थित देश का प्रमुख शहर है। बरसो से मुंबई के बारे में तरह-तरह के विचार और बातें लिखी गयी। फिल्मी गीतों के माध्यम से बॉम्बे, बंबई और मुंबई को समझाया गया। जो मुंबई आ नहीं बाते उन्हें गीतों से मुंबई को समझना पड़ता है। यात्रा के दौरान हम अपनी कार में गाना सुन रहे थे। 'मुंबई शहर हादसों का शहर है, यहाँ रोज-रोज किसी मोड़-मोड़ पर होता है, कोई न कोई हादसा' यह 1983 की फिल्म हादसा का गीत है, 2026 का मुंबई अधिक आधुनिक और चमकदार हो चूका है। मुंबई की हमारी ताजी यात्रा 19 सितम्बर 26 को हुई। रात तीन बजे हम कोस्टल रोड की टनल से गुजरे, यह टनल मरीन ड्राइव को वर्ली से जोड़ती है। इस टनल की लम्बाई 2.07 किमी है। जिसका एक हिस्सा अरब सागर और मलाबार हिल के निचे से गुजरता है। समुद्र के निचे टनल विज्ञान का चमत्कार है। किंतु इसी रात कोस्टल रोड पर एक तेज गति बीएमडब्लू कार कोस्टल रोड पर भयानक रूप से दुर्घटना ग्रस्त हो गयी जिसमे सवार तीन युवाओं को जान से हाथ धोना पड़ा। एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

हमारी मुंबई यात्रा का प्रमुख उद्देश्य लालबाग के राजा के दर्शन करना था। जिसे हमने शनिवार दिन को लम्बी, घुमाओदार यात्रा के बाद दो घंटे में अंजाम तक पहुंचा दिया था। लालबागचा राजा दर्शन के लिए दिन भर में लाखों की संख्या में देशभर से लोग आते है। यहाँ कार लेकर जाना काफी मशक्कत भरा है। अधिकृत पार्किंग में जगह नहीं मिलने पर अनाधिकृत स्थानों पर अपना वाहन खड़ा करना पड़ता है, जिसमे ट्रैफिक पुलिस की कार्यवाही का भय बना रहता है। खैर हमें अनाधिकृत स्थान का सहारा लेना पड़ा। दो घंटे की लाइन में लगकर लालबाग के राजा का वैभव देखकर थकान जाती रही। यहाँ बैठे स्वयं सेवक से लालबाग सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल द्वारा विराजित श्री गणेश की महत्ता जानने का प्रयास किया तो उन्होंने बताया। पहली बार 1934 में लालबाग के राजा की स्थापना की गयी थी। जिसके पीछे का मुख्य कारण 1932 में यहाँ स्थित पेरू की चाल बाजार बंद हो जाने के बाद स्थानीय व्यापारियों, मछूआरो ने स्थाई बाजार के लिए भगवान गणेश से मनोकामना की, मन्नत पूरी होने पर आभार व्यक्त किया एवं 1934 में यहाँ लालबाग

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

के राजा की मूर्ति स्थापित की गयी, जो जबसे अब तक 92 सालो से निरंतर क्रम जारी है। समय के साथ लालबाग के राजा सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल द्वारा पांडाल को आकर्षक एवं सोने चांदी की साज सज्जा से चमकदार और आकर्षक रूप प्रदान किया जाता रहा है। मान्यता है, लालबागचा राजा के सामने पवित्र मन से मांगी मन्नत पूर्ण होती है।

मुंबई में गणेश उत्सव का जूनून सवार है, हर कोई गणेश उत्सव की मस्ती में मस्त दिखाई दे रहा था। यहाँ परिवारों द्वारा डेढ़ दिन, तीन दिन, पांच दिन, सात दिन में गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किये जाने की परम्परा है। गणेश प्रतिमा के विसर्जन का क्रम जारी था। ढ़ोल ताशों के साथ महिला पुरुष धूमधाम से गणनायक के विसर्जन में व्यस्त दिखाई दिए।

हमारी मुंबई यात्रा में रात में मुंबई की चमक दमक देखने की ललक भी शामिल थी। रात की मुंबई का एक स्याहा चेहरा भी दिखाई दिया। स्थानीय रहवासी ने बताया यहाँ हुक्का बार और डांस बार का चलन आम है। पाश्चात संस्कृति से प्रभावित युवक, युवतियाँ देर रात इन क्लबो डांस बार में समय बिताते है। खैर अपना विषय सिर्फ जानना था, वहाँ जाना नहीं। मुंबई की चमचमाती सड़को पर समुद्र पर बने सी लिंक पर रफ़्तार से गुजरते हुए मुंबई की आलिशान ईमारतें जो विधुत तारो सी जगमगा रही थी। इनका फोटो विडिओ बनाने के लिए अपने साइड की खिड़की को खोलकर मोबाइल को हाथ में मजबूती से थामने की आवश्यकता होती है। हर दृश्य को कैमरे में कैद करने का मन करता है। सी लिंक की का निर्माण भी आधुनिक इंजिनियरिंग का कमाल ही जाना चाहिए। देर रात घूमते हुए हमने ताज के सामने स्थित अरब सागर के दर्शन किये जैसा की हमारी संस्कृति में सागर को देवता मानने की परम्परा है तो समुद्र देव को नमन किया। यहाँ गेटवे ऑफ इण्डिया पर कुछ लोग ही थै, बताता गया की गेटवे ऑफ इण्डिया पर नौका विहार बंद होने के कारण रात की अपेक्षा दिन में अधिक जन समूह दिखाई देता है। यहीं गेटवे ऑफ इण्डिया के सामने मुंबई का प्रसिद्ध ताज महल प्लेस होटल स्थित है। ताज महल प्लेस की अपनी कहानी है। इसका निर्माण 16 दिसम्बर 1903 में उद्योगपती जमशेदजी टाटा द्वारा करवाया गया था. इसके पीछे यह कहानी प्रचलित है की जमशेदजी टाटा को ब्रिटिश काल में होटल वाटसन में प्रवेश करने से रोक दिया था, क्योंकि उसमे केवल गोरे अंग्रेजो को जाने की अनुमति थी। ताज महल प्लेस होटल की शान भी देखते बनती है। भारत की शान वाह ताज देखते हुए हम मरीन ड्रॉइव पहुँचे यहाँ रात के चार बजे खडे रहने की जगह नहीं थी। इसका कारण यह बताया गया की शनिवार रविवार-अवकाश होना है। एक मुंबई के रहवासी से भीड़ का कारण पूछने पर उसने बताया की मुंबई में लोग सप्ताह में 6 दिन बदन तोड़ मेहनत करते है। शनिवार और रविवार परिवार के साथ बिताते है। अवकाश और गणेश उत्सव दोनों ही मरीन ड्राइव की भीड़ का कारण बताए गए। मरीन ड्राइव पर तीन से चार किमी समुद्र की पाल पर लोगो का जमावड़ा बना हुआ था। यहाँ आसपास खाने पिने की दुकानों पर इतनी भीड़ की नम्बर लगने में आधा घंटे से अधिक समय लग रहा था।

मुंबई बहुत बड़ा है, इसे देखने और समझने में महीनों लग जाते है। 1956 की एक फिल्म है, सीआईडी इस फिल्म का बहु चर्चित गाना है,'ऐ दिल मुश्किल जीना यहाँ, जरा हट के जरा बच के ये है बॉम्बे मेरी जा। गीत के आगे की कढ़ी कहीं बिल्डिंग कहीं ट्रामें कहीं मोटर कहीं मिल, मिलता है यहाँ सबकुछ इक मिलता नहीं दिल। फिल्म का गीत है मुंबई के उस दौर के चित्र को प्रस्तुत कर रहा है। मुंबई को समझने के लिए एक दो दिन नहीं एक दो बरस भी कम है। किंतु गायकों, लेखकों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से मुंबई के जिस चित्र को उकेरा है। लालबाग के राजा के दर्शन के बहाने जैसी मुंबई दिखी बताने की कोशिश की है। भारत का प्रमुख शहर मुंबई फिल्म क्लाकारों के बिना अधूरा है जिसका मैंने कोई जिक्र नहीं किया है, अगली मुंबई यात्रा फिल्म सिटी और कलाकारों को देखने समझने की कोशिश में लगाने होंगे।

चुनाव आयोग की आड़ में फिर विपक्ष का मोदी सरकार पर हमला

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के आधार पर विपक्षी दलों ने एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को घेरकर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करके मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा करने की सियासी कोशिश शुरू कर दी है। अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग के उन फैसलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज कराई, जो उनकी जानकारी के बिना लिए गए थे। ये आपत्तियां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से जुड़ी थीं, लेकिन आयोग की तरफ से कहा गया है कि चुनाव आयोग ने सभी फैसले बहुमत से बिना किसी विवाद के लिए हैं। आपत्ति या किसी मुद्दे पर मतभेद आम बात है। इसका फैसले पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन एक पक्ष को सही मानकर अखबार के इस खुलासे के बाद कांग्रेस, सीपीआई(एम), टीएमसी, डीएमके, आप और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दलों ने आयोग की साख पर तो सवाल उठाए ही, साथ ही कांग्रेस की ओर से अभिषेक सिंघवी ने आरोप लगाया कि सीईसी ने चुनाव आयोग की साख और निष्ठा को नष्ट कर दिया है। कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने दावा किया कि अब तक एसआईआर प्रक्रिया के तहत करीब 13 करोड़ नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं और इस मुद्दे को रोज सुप्रीम कोर्ट में उठाया जा रहा है, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही।विपक्ष ने आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर व्यापक जांच की मांग दोहराई है। बहरहाल, विपक्ष के तीर भले ही मुख्य चुनाव आयुक्त की तरफ ताने जा रहे हों, लेकिन निशाने पर मोदी सरकार की विश्वसनीयता को दागदार करना ज्यादा है। वैसे यह पहला मौका नहीं है, जब मोदी सरकार विपक्ष और खासकर राहुल गांधी के निशाने पर आई हो, इसका काफी लम्बा सिलसिला है। नया दौर यह देखने में आ रहा है कि राहुल जो आरोप लगाते हैं, उसको देर-सवेर विपक्ष के अन्य नेता भी धार देने लगते हैं।

इससे पूर्व भी राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार को घेरने के लिए जिन आरोपों को राजनीतिक अभियान का हिस्सा बनाया, उनकी सूची लंबी है। 2014 के बाद 'सूट-बूट की सरकार', मोदी सरकार ने देश को बेच दिया वाला नेरेटिव, उद्योगपतियों के पक्ष में नीतियां बनाए जाने का आरोप, भूमि अधिग्रहण, बेरोजगारी और नोटबंदी जैसे मुद्दे कांग्रेस के प्रमुख हमलों में रहे। नोटबंदी के समय राहुल गांधी ने इसे आर्थिक तबाही और गलत नीति बताते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। राहुल गांधी के राजनीतिक अभियान का सबसे

-अजय कुमार

चर्चित अध्याय राफेल सौदे से जुड़ा रहा। 2018-19 में उन्होंने आरोप लगाया कि 36 राफेल विमानों की खरीद में कीमत बढ़ाई गई, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को दरकिनार किया गया और अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनी को फायदा पहुंचाया गया। उन्होंने 526 करोड़ रुपये बनाम करीब 1600 करोड़ रुपये की कीमत का तर्क भी सार्वजनिक मंचों पर रखा। इसी अभियान से 'चौकीदार चोर है' नारा राष्ट्रीय राजनीति का हिस्सा बना। लेकिन दिसंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने राफेल सौदे में अदालत की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि उसे खरीद प्रक्रिया, कीमत या ऑफसेट पार्टनर के चयन में हस्तक्षेप का आधार नहीं मिला।इसके बाद बेरोजगारी का मुद्दा विपक्ष के प्रमुख हथियारों में शामिल हुआ। 2017-18 की सरकारी रिपोर्ट में 15 वर्ष और उससे ऊपर की आबादी के लिए सामान्य स्थिति में बेरोजगारी दर 6.1 प्रतिशत दर्ज हुई थी। विपक्ष ने इसे रोजगार संकट का प्रमाण बताया। बाद के सरकारी आंकड़ों में यह दर 2018-19 में 5.8 प्रतिशत और आगे और नीचे आती दिखाई दी। पेगासस विवाद में भी राहुल गांधी और विपक्ष ने सरकार पर गंभीर निगरानी के आरोप लगाए। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि किसने पेगासस के इस्तेमाल की अनुमति दी और किन लोगों को निशाना बनाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में जांच के लिए समिति बनाई। अगस्त 2022 में अदालत के सामने समिति की रिपोर्ट के आधार पर कहा गया कि जांच किए गए 29 फोन में पेगासस के इस्तेमाल का कोई निर्णायक प्रमाण नहीं मिला।

2023 में राहुल गांधी के हमले का केंद्र अदाणी समूह और प्रधानमंत्री मोदी के बीच कथित निकटता बन गया। लोकसभा में उन्होंने अदाणी समूह की तेजी से बढ़ती कारोबारी ताकत, सरकारी फैसलों और प्रधानमंत्री के साथ कथित संबंधों पर सवाल उठाए तथा अरबों डॉलर के लेनदेन को राजनीतिक मुद्दा बनाया। संसद में उनका भाषण इस मुद्दे को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ले आया। बाद में उनकी लोकसभा सदस्यता खत्म हुई तो राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उन्हें अदाणी पर अगला भाषण देने से रोकने के लिए निशाना बनाया गया। लेकिन सदस्यता समाप्ति का औपचारिक कारण 2019 के 'मोदी सरनेम' मानहानि मामले में दो साल की सजा था, न कि अदाणी पर उनके भाषण। अगस्त 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने उस सजा पर रोक लगाई और उनकी सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हुआ।कांग्रेस और विपक्ष की राजनीति का एक मोर्चा चुनाव आयोग के खिलाफ भी खुला रहता है। 2025 में राहुल गांधी ने कर्नाटक के महादेवपुरा समेत विभिन्न चुनाव क्षेत्रों में मतदाता सूची में कथित हेरफेर को 'वोट चोरी' कहा और एक लाख से अधिक वोटों में गड़बड़ी का दावा किया। 17 अगस्त 2025 को ज्ञानेश कुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा कि आरोपों को हलफनामे के साथ साबित किया जाए या माफी मांगी जाए। चुनाव आयोग ने इन दावों को निराधार बताया।यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि चुनावी पारदर्शिता पर बहस सिर्फ राहुल गांधी बनाम चुनाव आयोग तक सीमित नहीं है। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम और वीवीपैट की 100 प्रतिशत मिलान की मांग को खारिज करते हुए मौजूदा सुरक्षा प्रोटोकॉल को पर्याप्त माना और कहा कि उपलब्ध डेटा से धोखाधड़ी का आधार नहीं बनता। सितंबर 2026 में यही टकराव एक नए रूप में सामने आया, जब चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहे गुटीय विवाद के बीच उसके मूल नाम और 'फूल और घास' चुनाव चिह्न को अंतरिम तौर पर फ्रीज कर दिया और दोनों पक्षों को अलग नाम व प्रतीक दिए।राहुल गांधी और विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरने के लिए राफेल से लेकर नोटबंदी, बेरोजगारी, पेगासस, अदाणी और चुनावी संस्थाओं तक लगातार नए राजनीतिक नैरेटिव बनाए। कुछ मुद्दों पर अदालतों या आधिकारिक संस्थाओं ने विपक्ष के आरोपों को निर्णायक समर्थन नहीं दिया, कुछ पर सरकार को राजनीतिक और नीतिगत सफाई देनी पड़ी, और कुछ मुद्दे जैसे रोजगार, राजनीतिक फंडिंग तथा चुनावी पारदर्शिता आज भी सार्वजनिक बहस का हिस्सा हैं। 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि विपक्ष की राजनीति को पूरी तरह अप्रभावी मानना जल्दबाजी होगी। कांग्रेस 99 और समाजवादी पार्टी 37 सीटों तक पहुंची। इसलिए वास्तविक सवाल केवल यह नहीं है कि राहुल गांधी कितने आरोप लगा रहे हैं, बल्कि यह है कि कौन-सा आरोप प्रमाण, संस्थागत जांच, नीति बहस और अंततः मतदाता के फैसले में बदल पाता है।

स्वराज्य तोरण के 18वें वर्धापन दिवस पर विशिष्ट व्यक्तियों का किया गया सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए पहचान बना चुके दैनिक स्वराज्य तोरण का 18वां वर्धापन दिवस तथा संपादक डॉ. किशोर बलीराम पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर मंगलवार को कैलासनगर-वलपाडा स्थित श्री समर्थ कृपा सदन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। भाजपा ठाणे जिला क्रीड़ा आघाड़ी अध्यक्ष डॉ. यशवंत महादू सोरे की अध्यक्षता में हुए समारोह में शहर व ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को रेनकोट व उपहार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही भिवंडी मनपा के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों और कृषि उत्पन्न बाजार समिति के पदाधिकारियों का भी सत्कार किया गया। इस अवसर पर डॉ. सोरे ने कहा कि डॉ. किशोर पाटिल ने 18 वर्षों से स्वराज्य तोरण के माध्यम से समाजहित के मुद्दों को निर्भीकता से उठाया है। ग्रामीण और शहरी जनता की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य दैनिक ने किया है। उन्होंने कहा कि स्वराज्य तोरण को स्थानीय स्तर तक सीमित न रखते हुए राज्य स्तर तक पहुंचाने का प्रयास होना चाहिए। समारोह में कृषि उत्पन्न बाजार समिति के उपसभापति जयनाथ रामदास भगत तथा प्रभाग समिति क्रमांक 5 के सभापति एड. वैभव एकनाथ भोईर का विशेष सम्मान किया गया। नगरसेविका गीता विठोबा नाईक, स्नेहा मेहुल पाटिल तथा निर्दलीय नगरसेवक नितेश नामदेव ऐनकर का भी शाल व सम्मानपत्र देकर सत्कार किया गया। कार्यक्रम में डॉ. सोन्या काशीनाथ पाटिल, शनेश्वर वाकडे, डॉ. मनिलाल शिंपी, डॉ. दिनेश ठक्कर, जितेंद्र सोनवणे, संजय मढवी, सीताबाई दीपक पाटिल, मेहुल पाटिल, अनिल भेकरे, संजय कृष्णा पाटिल, संजय पाटिल कणेरी, डॉ. सुनंदा अशोक पाटिल सहित सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक पदाधिकारी, बुद्धिजीवी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार राजेंद्र पाटिल ने किया। आयोजन की सफलता के लिए कार्यकारी संपादिका संगीता किशोर पाटिल, अफसर खान, सोमनाथ ठाकरे, प्रशांत मोरे एवं आचार्य सूरजपाल यादव ने विशेष प्रयास किए।

गोखले मैदान में गूंजेगा गरबा, 25 हजार से अधिक गरबा प्रेमियों के लिए भव्य आयोजन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर में इस वर्ष नवरात्रि के अवसर पर गरबा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में प्रताप सरनाईक फाउंडेशन और जीएम नवरात्रि उत्सव की ओर से नवरात्रि महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। बेवर्ली पार्क स्थित नामदार गोखले मैदान, आर.बी.के. स्कूल परिसर में आयोजित होने वाले इस नौ दिवसीय उत्सव का भूमि पूजन युवासेना के कार्यकारी अध्यक्ष पुरवेश सरनाईक के हाथों संपन्न हुआ। आयोजकों के अनुसार यह आयोजन 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक चलेगा और गरबा प्रेमियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। 25 हजार से अधिक लोगों के लिए व्यवस्था आयोजकों के मुताबिक इस वर्ष गोखले मैदान में ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि एक समय में 25 हजार से अधिक गरबा प्रेमी गरबा में शामिल हो सकें। पिछले वर्ष नवरात्रि उत्सव के दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भायंदर के गरबा प्रेमियों को बड़े मैदान में गरबा खेलने का अवसर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। आयोजकों का कहना है कि इसी आश्वासन के अनुरूप इस वर्ष विशाल गोखले मैदान में उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति और सामाजिक सहभागिता पर जोर भूमि पूजन के अवसर पर पुरवेश सरनाईक ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के साथ ही शहर के नागरिकों और युवाओं को निःशुल्क, सुरक्षित और भव्य मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि का यह आयोजन शहरभर से आने वाले हजारों गरबा प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। पुरवेश सरनाईक ने कहा कि चुनाव और राजनीतिक समीकरण आते-जाते रहते हैं, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और शहर की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने का संकल्प जारी रहना चाहिए।

टाटा एआईए का नया 'मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड'

मुंबई/पटना। इक्विटी मार्केट हमेशा बदलते रहते हैं। बाजार के विभिन्न चक्रों के दौरान अलग-अलग सेक्टर्स, कंपनियां और निवेश थीम्स नए अवसर बनाती हैं। निवेशकों के लिए, बाजार के इन बदलते हालातों में राह तलाशने के लिए एक ऐसे दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जो किसी एक निवेश शैली से परे जाकर अवसरों को परख सके। निवेशकों की इस बदलती आवश्यकता को समझते हुए, भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने आज 'टाटा एआईए मोमेंटम वैल्यू 50 इंडेक्स फंड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक यूनिट-लिंक्ड निवेश विकल्प है, जिसे दो स्थापित निवेश दृष्टिकोणों—मोमेंटम इन्वेस्टिंग और वैल्यू इन्वेस्टिंग—के संयोजन के माध्यम से विविध इक्विटी एक्सपोजर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह फंड उपभोक्ताओं को लाइफ इंश्योरेंस सुरक्षा के अतिरिक्त लाभ के साथ-साथ बाजार के अवसरों में हिस्सा लेने की सुविधा देता है। निवेश बाजार अक्सर अलग-अलग चरणों से होकर गुजरता है, जहां समय के साथ विभिन्न सेक्टर्स और कंपनियों का नेतृत्व बदलता रहता है। जहां कुछ कंपनियां बाजार में अधिक मजबूत प्रदर्शन करती हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अपने आकर्षक वैल्यूएशन के आधार पर बेहतर अवसर पेश कर सकती हैं।

आईटेल ने लॉन्च किया 450 एल: सुपर लाउड 3डी साउंड और 2500 एमएच मेगा बैट्री वाला म्यूजिक-फर्स्ट फीचर फोन

मुंबई/पटना। भारत के प्रमुख टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक आईटेल ने आज आईटेल म्यूज़िक 450एल (आईटेल450एल) लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक म्यूजिक-फर्स्ट फीचर फोन है, जिसे खास तौर पर सुपर लाउड 3डी साउंड के साथ डिजाइन किया गया है। फोन में 2-इन-1 सुपर लाउड स्पीकर, 2500एमएच मेगा बैट्री, ब्लुटुथ कनेक्टिविटी, बड़ा 2.4-इंच क्युवीजीऐ डिस्प्ले और 13.4एमएम का स्लिम डिजाइन दिया गया है। म्यूजिक 450एल को रोजमर्रा के मनोरंजन, सफर और आउटडोर इस्तेमाल को ध्यान में रखकर बनाया गया है। आईटेल म्यूजिक 450एल को इस तरह डिजाइन किया गया है कि लोग रोजमर्रा के सफर और अलग-अलग जगहों पर आसानी से म्यूजिक और मनोरंजन का आनंद ले सकें।

नागरी सुरक्षा स्वयंसेवक की सतर्कता से संभावित दुर्घटना टली

◆मुख्य बिजली लाइन के जंपर में लगी आग देख गौरव पाटील ने संभाला मोर्चा, समय रहते बिजली आपूर्ति हुई बंद

पालघर(उत्तरशक्ति)। गणपति विसर्जन के दौरान ड्यूटी पूरी कर घर लौट रहे नागरी सुरक्षा दल के वरिष्ठ पूर्व मानसेवी अधिकारी गौरव हेमचंद्र पाटील की सतर्कता और सूझबूझ से बोईसर-पालघर मुख्य मार्ग पर संभावित बड़ी दुर्घटना और जनहानि टल गई।

बतादें कि रविवार 20 सितंबर 2026 को गणपति विसर्जन के सातवें दिन बोईसर क्षेत्र के विभिन्न विसर्जन स्थलों पर नागरी सुरक्षा दल की ओर से प्रथमोपचार केंद्र (बूथ) स्थापित किये गये थे। उपनियंत्रक काशिनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के के नेतृत्व में स्वयंसेवक अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे। ड्यूटी पूरी कर घर लौटते समय गौरव पाटील की नजर बोईसर-पालघर मुख्य मार्ग पर स्नेहांजली मॉल के समीप मुख्य बिजली लाइन के जंपर में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग पर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल अपना वाहन सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया और सड़क के दोनों ओर से आने वाले वाहनों को रोककर वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग से जाने की सूचना दी। इसके बाद पाटील ने तत्काल एमएसीबी कार्यालय से दूरभाष पर संपर्क कर घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही संबंधित बिजली विभाग की ओर से तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। कुछ ही समय में कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। गौरव पाटील द्वारा समय रहते दिखाई गई सतर्कता, प्रसंगावधान और सामाजिक जिम्मेदारी के चलते संभावित बड़ी दुर्घटना और जनहानि को टालने में महत्वपूर्ण मदद मिली। उनके इस उल्लेखनीय कार्य के लिए नागरी सुरक्षा दल की ओर से उनकी सराहना करते हुए अभिनंदन किया गया।

श्री काशी महादेव मंडल श्रीराम नगर में मंगल गांधी के नेतृत्व में भव्य गणेशोत्सव

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा स्थित श्रीराम नगर में मंगल गांधी द्वारा गणेशोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। गणपति बप्पा की विधिवत स्थापना के पश्चात प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक पूजा-पाठ और आरती का आयोजन किया जा रहा है। गणेशोत्सव के अवसर पर पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। इसी क्रम में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के पत्रकार तारकेश्वर पांडे ने श्रीराम नगर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना कर बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजनकर्ता मंगल गांधी ने पत्रकार तारकेश्वर पांडे का अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मान किया। गणपति बप्पा की आरती के दौरान श्रीराम नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सैकड़ों भक्तों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ आरती में शामिल होकर विघ्नहर्ता गणराय से सुख, शांति, समृद्धि एवं परिवार के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। गणेशोत्सव के इस आयोजन से श्रीराम नगर में उत्साह और धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है।

मुंबई सहकार क्षेत्र में नया नेतृत्व; सुरेंद्र सिंह को निदेशक पद की जिम्मेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई सहकारी बोर्ड लिमिटेड के वर्ष २०२६ से २०३२ के कार्यकाल के लिए हुए चुनाव में सहकार पैनल ने सफलता हासिल की है। इस पैनल के अधिकृत उम्मीदवार सुरेंद्र ओमप्रकाश सिंह का निदेशक पद पर निर्विरोध चयन हुआ है। बता दें कि विधायक प्रवीण दरेकर, शिवाजीराव नलावडे, सिद्धार्थ टी. कांबळे, और विधायक प्रसाद लाड और नंदकुमार काटकर के संयुक्त नेतृत्व में सहकार पैनल चुनाव मैदान में था। पैनल के सभी उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। सुरेंद्र सिंह सिद्धार्थ टी. कांबले के करीबी सहयोगी हैं। नवनिर्वाचित निदेशक सुरेंद्र सिंह राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुंबई कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी. कांबळे के करीबी सहयोगी के रूप में जाने जाता हैं। वे पिछले कई वर्षों से पार्टी संगठन एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। सहकार क्षेत्र का अनुभव, संस्थाओं के कामकाज की समझ तथा कार्यकताओं के साथ मजबूत संपर्क को देखते हुए उन्हें निदेशक पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है।

17 साल बाद उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे समेत सभी आरोपी बरी

कल्याण कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

कल्याण (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण कोर्ट में राष्ट्रवादी कांग्रेस के दिवंगत नेता वसंत डावखरे द्वारा दाखिल मानहानि मामले में करीब 17 साल बाद फैसला सुनाया गया। 2009 के लोकसभा चुनाव के दौरान कथित सीडी मामले को लेकर यह मामला दर्ज किया गया था। कल्याण कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट संतोष आगे ने उद्धव ठाकरे, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आनंद परांजपे और रमाकांत देवळेकर समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया।

2009 के लोकसभा चुनाव में कल्याण लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस के उम्मीदवार वसंत डावखरे और शिवसेना उम्मीदवार आनंद परांजपे के बीच चुनावी मुकाबला था। चुनाव के दौरान वसंत डावखरे के खिलाफ कथित सीडी दिखाए जाने को लेकर मानहानि का मामला सामने आया था। इसके बाद वसंत डावखरे ने उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे, आनंद परांजपे और रमाकांत देवळेकर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

करीब 17 वर्षों तक चले इस मामले में 20 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जबकि दो जांच अधिकारियों की भी गवाही हुई। उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में अपने बयान दर्ज कराए थे। अंतिम दलीलें पूरी होने के बाद बुधवार को कल्याण कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। उद्धव ठाकरे के वकील एडवोकेट जयेश वाणी ने बताया कि बचाव पक्ष की ओर से मामले की राजनीतिक पृष्ठभूमि और कुछ गवाहों के बयानों में मौजूद विसंगतियों को अदालत के समक्ष रखा गया था। अदालत के फैसले के बाद आनंद परांजपे ने कहा कि 17 साल बाद उन्हें न्याय मिला है। उन्होंने दिवंगत वसंत डावखरे के प्रति भी सम्मान व्यक्त किया।

भैया पाड़ा के महाराजा की नौवें दिन गाजे-बाजे के साथ हुई विदाई

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम अंतर्गत भैया पाड़ा में ओम साई मित्र मंडल की ओर से स्थापित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का नौ दिवसीय गणेशोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। मंगलवार 22 सितंबर 2026 को नौवें दिन गाजे-बाजे और भक्तिमय माहौल के बीच भैया पाड़ा के महाराजा को भावपूर्ण विदाई दी गई। गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह, दोपहर और शाम विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं आरती का आयोजन किया जाता था। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना पंडित राजू शुक्ला द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कराई गई थी। नौ दिनों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इसी क्रम में सोमवार 21 सितंबर को गणेशोत्सव के मुख्य आयोजक एवं त्रिमूर्ति साई सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जिलेदार वर्मा की ओर से महाप्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए प्रसाद ग्रहण किया और भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। गणेशोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महेश वर्मा, मंगेश वर्मा, रजनीश यादव, मनीष यादव, सोनू चौहान, अविनाश गौड़, धीरेन्द्र भारद्वाज, सूरज भारद्वाज, सूरज चौहान, नीलेश प्रसाद, आशीष वर्मा, मुश्ताक अंसारी, बादल चौहान एवं राहुल यादव सहित मंडल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। नौवें दिन भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को गाजे-बाजे के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से बप्पा को विदाई दी।

देवनार के भूखंड क्रमांक 93 का संयुक्त स्थल निरीक्षण

2018 से जारी लगातार प्रयासों को महत्वपूर्ण सफलता; चर्मकार विकास संघ की मांगो को प्रशासन ने लिया संज्ञान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गोवंडी के देवनार-बैंगनवाड़ी सिग्नल के समीप चर्मोद्योग विकास महामंडल (लिडकॉम) के आरक्षित पांच एक-ड़ भूखंड में से करीब दो एकड़ जमीन के उपयोग और कथित अतिक्रमण को लेकर की गई शिकायतों के बाद संयुक्त स्थल निरीक्षण किया गया। लिडकॉम, मुंबई महानगरपालिका और चर्मकार विकास संघ के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह आधिकारिक निरीक्षण किया गया।

2018 से लगातार चल रहा था प्रयास: उक्त भूखंड के संरक्षण को लेकर चर्मकार विकास संघ वर्ष 2018 से लगातार प्रयास कर रहा है। सामाजिक न्याय विभाग, जिलाधिकारी कार्यालय, मुंबई महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन सहित संबंधित सरकारी विभागों को समय-समय पर पत्र देकर भूखंड के सरकारी स्वामित्व, वर्तमान उपयोग और कथित अतिक्रमण के संबंध में प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया।

संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि इस मामले को केवल पत्राचार तक सीमित न रखते हुए उन्होंने कई बार प्रत्यक्ष स्थल पर जाकर स्थिति का जायजा लेने के लिए भी पहल की।

प्रशासन ने लिया संज्ञान: चर्मकार विकास संघ के लगातार प्रयासों को संज्ञान में लेते हुए चेंबूर अतिक्रमण/निष्कासन विभाग की उपजिलाधिकारी आशा तामखडे के आदेशानुसार संयुक्त स्थल निरीक्षण आयोजित किया गया।

इस अवसर पर लिडकॉम के महाराष्ट्र प्रबंधक विकास कुंटूरकर, मुंबई महानगरपालिका भवन एवं कारखाना विभाग के जगताप, तानाजी निराळे तथा चर्मकार विकास संघ के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष सुभाष मराठे, अशोक कांबळे, मोहन हराळकर, साधना कांबळे सहित संघ के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल का शानदार प्रदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा एवं ठाणे जिला क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कोंबड़पाड़ा स्थित गाजंगी हॉल में अंतर-विद्यालयीन जिला स्तरीय वुशू प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भिवंडी तालुका के 48 विद्यालयों के करीब 560 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसमें 14, 17 एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के विभिन्न मुकाबले आयोजित किए गए।

रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कुल 16 स्वर्ण, 11 रजत और 18 कांस्य पदक हासिल किए। खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन से विद्यालय का नाम जिला स्तर पर गौरवान्वित हुआ। विद्यालय के सफल खिलाड़ियों को इकरा शेख, जाकिर अंसारी एवं मुसय्यब मोमिन ने प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन तथा खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत से यह उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई। इस उपलब्धि पर के.एम.ई. सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमैन दानिश मदू, रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली, प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, सहायक मुख्याध्यापक मुखलिस मदू, पर्यवेक्षक असरार पठान, सिब्तैन काशेलकर, मुजदान मुल्ला तथा वाई.सी.एम.ओ.यू. स्टडी सेंटर के कोऑर्डिनेटर अब्दुल अजीज अंसारी सहित समस्त स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई दी।

पालघर में कांग्रेस में लगातार दो युवा समूहों ने किया प्रवेश

◆वानगांव में पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कैप्टन सत्यम ठाकुर ने किया नये कार्यकर्ताओं का स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में युवाओं का कांग्रेस संगठन के साथ जुड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार 23 सितंबर को वानगांव स्थित कांग्रेस कार्यालय में कैप्टन सत्यम ठाकुर, जिलाध्यक्ष, पालघर जिला कांग्रेस के नेतृत्व में दो युवा समूहों ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने नए सदस्यों का स्वागत किया।

पिछले करीब दो महीनों से पालघर जिले में युवाओं का कांग्रेस संगठन के साथ संपर्क बढ़ने और लगातार हो रहे पार्टी प्रवेश को संगठन की दृष्टि से महत्वपूर्ण घटनाक्रम बताया जा रहा है। पहले समूह में पालघर जिले के युवा टेनिस-बॉल क्रिकेट खिलाड़ी भारत चिखलीकर, लेदर-बॉल क्रिकेट खिलाड़ी कौशिक एवं तन्विश वाझे, चिंचणी के जयेश रावरे और विनायक तामोरे सहित उनके युवा साथियों ने कांग्रेस में प्रवेश किया। इस दौरान मोर्गरबाव, दांडी-पालघर तथा नवरपुर-बोईसर क्षेत्र के युवा समर्थक भी मौजूद रहे। नए सदस्यों ने बताया कि राहुल गांधी के विचार एवं नेतृत्व, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के संघर्ष के दृष्टिकोण तथा कैप्टन सत्यम ठाकुर की कार्यशैली एवं जनता के साथ सीधे संवाद से प्रेरित होकर उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है। प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भारत चिखलीकर ने कहा कि कैप्टन सत्यम ठाकुर के नेतृत्व में पालघर जिला कांग्रेस उन्हें समाजसेवा के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के माध्यम से समाज के लिए कार्य करने तथा जनता की समस्याओं को उठाने का अवसर मिलेगा। दूसरे समूह ने युवा कार्यकर्ता अविनाश वांगड के नेतृत्व में कांग्रेस में प्रवेश किया। इस अवसर पर गंजाड एवं आसपास के क्षेत्र के कई युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अविनाश वांगड ने बताया कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से कैप्टन सत्यम ठाकुर के सामाजिक कार्यों की जानकारी लेते रहे हैं। करीब छह महीने पहले उनकी सत्यम ठाकुर से मुलाकात हुई थी। इसके बाद गांव की एक समस्या के समाधान के लिए सत्यम ठाकुर द्वारा की गई मदद से वे प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि सत्यम ठाकुर के कार्यों तथा जनता की समस्याओं के प्रति उनके दृष्टिकोण से प्रेरित होकर उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि गंजाड और आसपास के क्षेत्र की पूरी टीम जल्द ही कैप्टन सत्यम ठाकुर से मुलाकात करेगी। इसके बाद गंजाड में बैठक आयोजित कर आगामी दिनों में एक बड़े पार्टी प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बीएलडब्ल्यू के पास 4.25 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। बनारस रेल इंजन कारखाना (बीएलडब्ल्यू) के पास उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) ने बड़ी जीएसटी चोरी का खुलासा किया है। 18 से 22 सितंबर तक चली जांच में रेलवे के एक ठेकेदार की फर्म तथा उसी परिसर में संचालित कैटरिंग और टेंट हाउस फर्म में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। अधिकारियों के अनुसार जांच में करीब 4.25 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का पता चला है। हालांकि, विभाग ने दोनों फर्मों के नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए हैं।

जांच में पता चला कि रेलवे ठेकेदार की फर्म सिविल निर्माण कार्य के साथ सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से बीएलडब्ल्यू को मैनपावर की आपूर्ति भी करती थी। आरोप है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में दाखिल रिटर्न में मैनपावर सप्लाई से संबंधित आय को छिपाया गया। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 का रिटर्न भी दाखिल नहीं किया गया। अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच फर्म को 5.50

एसआईबी की छापेमारी में ठेकेदार और टेंट हाउस पर कार्रवाई

करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान होने की जानकारी जांच में सामने आई, जिस पर एक करोड़ रुपये से अधिक का कर देय बताया गया।

एसआईबी की जांच में करीब 36 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट फर्जी बिलों के माध्यम से लेने की बात भी सामने आई। पूरी जांच के बाद कुल कर चोरी का आंकड़ा करीब 4.25 करोड़ रुपये पहुंचा। कार्रवाई के दौरान ठेकेदार की ओर से 46 लाख रुपये कर के रूप में जमा कराए गए, जबकि शेष राशि जमा कराने का आश्वासन दिया गया है।

इसी परिसर में संचालित कैटरिंग और टेंट हाउस फर्म के दस्तावेजों की भी जांच की गई। अधिकारियों के अनुसार इस फर्म का जीएसटी पंजीकरण मार्च 2026 में निरस्त हो चुका था, इसके बावजूद कारोबार जारी रहा। जुलाई 2025 के बाद से फर्म द्वारा कोई जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। जांच में वर्ष 2022-23 से अब तक करीब दो से ढाई करोड़ रुपये का कारोबार किए जाने का पता चला है।

एसआईबी ने दोनों फर्मों के दस्तावेजों और लेनदेन की जांच आगे भी जारी रखने की बात कही है। पंजीकरण निरस्त होने के बाद भी कारोबार जारी रखने सहित अन्य अनियमितताओं को लेकर विभागीय कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण: प्रो.आर.के. सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट और चाकलेट

शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई।

बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के

संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया।प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल. डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

यूपीआई शुल्क व्यवस्था पर व्यापारियों में चिंता, सरकार से पारदर्शिता की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपीआई लेनदेन से जुड़ी MDR व्यवस्था को लेकर व्यापारियों के बीच चिंता जताई गई है। समाजवादी पार्टी जौनपुर के जिला महासचिव आरिफ हबीब ने कहा कि UPI ने व्यापार और आम जनजीवन में डिजिटल भुगतान को आसान और तेज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में भुगतान व्यवस्था में होने वाले किसी भी बदलाव को व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखकर स्पष्ट रूप से लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति से व्यक्ति (P2P) UPI लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं है और रु.2,000 तक के व्यापारी भुगतान MDR से मुक्त रहेंगे। निर्धारित श्रेणी के छोटे व्यापारियों के लिए रु.1 लाख प्रतिमाह तक के UPI भुगतान पर शून्य MDR की व्यवस्था भी जारी

रहेगी। वहीं, रु.2,000 से अधिक के कुछ व्यापारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत MDR का प्रावधान बताया गया है।

आरिफ हबीब ने कहा कि किसी भी नई लागत का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव छोटे दुकानदारों और खुदरा व्यापार पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि MDR ग्राहक से वसूलने की अनुमति नहीं है, इसलिए व्यापारियों को इसकी सही जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि भ्रम और गलत वसूली की स्थिति न बने।

उन्होंने सरकार से मांग की कि वढकको व्यापारियों के लिए सरल, पारदर्शी और न्यूनतम लागत वाली भुगतान व्यवस्था बनाए रखा जाए तथा छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्राहक, व्यापारी, बैंक और डिजिटल भुगतान कंपनियों के हितों के बीच संतुलन जरूरी है।

11 हजार वोल्ट की लाइन और पेड़ से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग

मो.जावेद

नौपेड़वा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकासखंड के नौपेड़वा बाजार स्थित मई मोड़ रोड पर संकल्प इलेक्ट्रॉनिक्स के सामने से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन और उसके संपर्क में आए पेड़ से हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार तार और पेड़ के संपर्क में आने से बंदर, पक्षी व गिलहरी समेत कई जीवों की जान जा चुकी है।

बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे पेड़ से शॉर्ट सर्किट होने के बाद विद्युत तार टूटकर सड़क पर गिर गया। स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। इससे पहले 5

अगस्त 2026 की शाम भी पेड़ में आग की लपटें उठती देखी गई थीं।

इस मार्ग पर स्थित राजाराम स्कूल के बच्चों का लगातार आवागमन रहता है, जिससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि खतरनाक पेड़ को हटाने की मांग को लेकर 28 अगस्त 2026 को वन विभाग को प्रार्थना पत्र देकर उसकी रिसीविंग भी ली गई थी, लेकिन अब तक विद्युत विभाग और वन विभाग की ओर से कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय लोगों ने विद्युत लाइन के आसपास से पेड़ हटाने के साथ रात में आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने के लिए हाई स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है। इस दौरान रामराज, शशिकांत मिश्रा, मनीष, संदीप गुप्ता, विकास और सोनू निगम मौजूद रहे।

पूजा के दौरान फायरिंग से सनसनी, पत्नी और दो पंडितों की मौत

पुलिस कार्रवाई में आरोपी व बेटे की भी गई जान

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अहरौला थाना क्षेत्र के शंभूपुर गांव में मंगलवार शाम पूजा-पाठ के दौरान हुई फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। आरोप है कि घर

के मालिक अरविंद सिंह ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर पत्नी बबीता और दो पंडितों महेंद्र पाठक व अखिलेश मिश्रा की हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपने बच्चों को घर के अंदर बंधक बना लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वाराणसी जोन के एडीजी के नेतृत्व में कई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। पुलिस के अनुसार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने के दौरान आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई में अरविंद सिंह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में घायल उसके आठ वर्षीय बेटे की भी इलाज के दौरान मौत हो गई।

बताया गया कि अरविंद के घर में पिछले कई दिनों से शांतिपाठ और धार्मिक अनुष्ठान चल रहे थे। मंगलवार शाम घर में पत्नी, बच्चे और तीन पंडित मौजूद थे। इसी दौरान अरविंद घर पहुंचा और पंडितों से कथित तौर पर आधार कार्ड मांगा। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और देखते ही देखते फायरिंग शुरू हो गई।

गोलीबारी में पत्नी और दो पंडित गंभीर रूप से घायल हुए, जिनकी मौत हो गई। घटना के बाद अन्य पंडित मौके से भाग निकले। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिस ने लाइसेंसी पिस्टल को कब्जे में लेकर घटनास्थल से फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

एक महीने से लापता 14वर्षीय अंश मौर्य का अभी तक पता नहीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के कुरचनपुर निवासी स्वर्गीय खजांची मौर्य का पुत्र 14 वर्षीय अंश मौर्य 30 अगस्त को अचानक लापता हो गया है। उसकी दिमागी संतुलन ठीक नहीं है, परिजनों ने काफी खोज किया, किंतु नहीं पता चला, उसकी तलाश करने में आप सब मदद करें, ईश्वर आप की मदद करेगा, उसकी विधवा मां व बहन का रोरो बुरा हाल है, भंडारी चौकी प्रभारी को सूचना दे दी गई है, इस भाई के

नंबर 6307302010 पर सूचित करने की कृपा करें।

केराकत में आज सजेगा पीडीए जन संवाद का मंच, जुटेंगे सपा के बड़े नेता

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी की ओर से गुरुवार को केराकत स्थित सिहौली चौराहे के पास पार्टी कार्यालय पर पीडीए जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केराकत के विधायक एवं पूर्व सांसद तूफानी सरोज तथा मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान करेंगे। सपा विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान और कार्यक्रम प्रभारी पुनीत यादव ने संयुक्त रूप से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पीडीए जन संवाद के माध्यम से पार्टी की नीतियों व विचारधारा को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं और समर्थकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। नीरज पहलवान ने कहा कि पीडीए जन संवाद समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने और उनके मुद्दों पर संवाद करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी के साथ जुटने का आह्वान किया।

सिद्धार्थनगर में शादी के 24 घंटे बाद नवविवाहित दंपती के शव मिलने से सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद सिद्धार्थनगर में शादी के महज 24 घंटे बाद नवविवाहित दंपती अनीता और देशराज चौहान के शव उनके कमरे से मिले। दोनों ने परिवारों की रजामंदी से प्रसिद्ध मंदिर में शादी की थी, शादी के बाद दोनों घर पहुंचे और रात में खाना खाने के बाद कमरे में चले गए, सुबह करीब पांच बजे देशराज का शव पंखे से लटका मिला जबकि अनीता का शव कमरे के फर्श पर पड़ा था, घटना के बाद अनीता के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए उसकी हत्या किए जाने का आरोप लगाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की नगर कार्यकारिणी ने लिया जनसेवा का संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के जिला पदाधिकारियों की बैठक एवं नगर क्षेत्र कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय देसी तड़का रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया। समारोह में नवनियुक्त नगर पदाधिकारियों को संगठन के प्रति निष्ठा और जनसेवा का संकल्प दिलाया गया।

नवनियुक्त नगर अध्यक्ष नीरज यादव, नगर महामंत्री नीरज सेठ, नगर सचिव आलोक मिश्रा, नगर उपाध्यक्ष कृष्णा राय, नगर कोषाध्यक्ष सुनील कुमार साहू तथा नगर महासचिव आशीष साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश सचिव विनय जायसवाल ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनहित से जुड़ी किसी भी समस्या के सामने आने पर संगठन के पदाधिकारी एकजुट होकर उसके समाधान के लिए प्रयास करेंगे।

जिला प्रवक्ता प्रदीप उपाध्याय ने

कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता में निहित है। सामूहिक प्रयासों से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। जिला उपाध्यक्ष शनि उपाध्याय ने संगठन के विस्तार को जनपद के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। जिला संरक्षक राज जायसवाल ने मानवाधिकार एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर जिला संरक्षक राज जायसवाल, जिला प्रवक्ता प्रदीप उपाध्याय, जिला प्रभारी रोहित शर्मा, जिला महामंत्री अंकित मौर्य, जिला संगठन प्रभारी रवीश यादव, जिला उपाध्यक्ष शनि उपाध्याय, जिला संवाददाता जय प्रकाश यादव, जिला मीडिया प्रभारी प्रेमलाल शर्मा, जिला सलाहकार सुरेंद्र माली, जिला मंत्री चंद्रेश जायसवाल, जिला प्रभारी अमित गुप्ता, जिला सलाहकार रितेश मोदनवाल, बदलापुर तहसील अध्यक्ष मोतीलाल सोनी, केराकत तहसील अध्यक्ष राम सजीवन, अरुण सोनी, बक्शा ब्लॉक प्रभारी संजय गुप्ता, डॉ. ओम प्रकाश मौर्य, गुड्डू सेठ, द्वारिकेश अग्रहरि, विनय गुप्ता, किशन यादव, रजनीश मौर्य सहित तहसील, ब्लॉक एवं नगर स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्राह्मणों के अपमान का जवाब समाज देगा: दिनेश चौधरी

सपा पर ब्राह्मण और सनातन के अपमान का आरोप, दिनेश चौधरी ने साधा निशाना

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व भाजपा विधायक दिनेश चौधरी ने समाजवादी पार्टी और केराकत विधायक तूफानी सरोज पर ब्राह्मण समाज और सनातन संस्कृति के अपमान का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की रीढ़ हैं। भाजपा इसे समझती है, जबकि अन्य दल ब्राह्मणों को लेकर समाज में तरह-तरह की भ्रांतियां फैलाकर हिंदुत्व को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।

पूर्व विधायक केराकत दिनेश चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी लंबे समय से ब्राह्मणों का अपमान करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेता राजनीतिक लाभ के लिए हिंदुओं को बांटने का प्रयास करते हैं। हाल में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पीडीए के 'पी' को पंडित से जोड़ने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दूसरी ओर पार्टी के ही नेता ब्राह्मण समाज के खिलाफ बयान देने से पीछे नहीं हट रहे हैं।

उन्होंने केराकत विधायक तूफानी सरोज के हालिया बयान को

लेकर कहा कि उनके द्वारा ब्राह्मण समाज का अपमान किया गया है। आरोप लगाया कि यह सब सपा नेतृत्व के संरक्षण में हो रहा है। उन्होंने कहा कि तूफानी सरोज आए दिन सवर्ण समाज के खिलाफ बयान देते हैं। उनका यह बयान उनके लिए ताबूत की आखिरी कील साबित होगा।

पूर्व विधायक ने कहा कि ब्राह्मण समाज सनातनी और जागरूक है। वह अपमान करने वालों को याद रखता है। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखाई देगा। ब्राह्मण और सनातन का अपमान करने वालों को समाज अपने तरीके से जवाब देगा।

दिनेश चौधरी ने सपा को परिवारवाद की पार्टी बताते हुए कहा कि उसका समाजवाद से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा ने कई ब्राह्मण नेताओं को टिकट दिया था और आज भाजपा के 45 ब्राह्मण विधायक हैं, जबकि सपा से पांच ब्राह्मण विधायक हैं।

उन्होंने खुद को दलित समाज से बताते हुए तूफानी सरोज को खुली चुनौती दी कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में दलित समाज के किसी एक व्यक्ति को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाया हो तो उसका जवाब दें। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

'पांच लाख दो, नहीं तो जेल भेज देंगे', चार अज्ञात पुलिसकर्मियों समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

युवक को कार में बैठाकर थाने ले जाने, धमकाने और 1.05 लाख नकद व ऑनलाइन रकम वसूलने का आरोप; शिकायत के बाद सुरेरी थाने में दर्ज हुई एफआईआर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। पांच लाख रुपये की कथित रंगदारी मांगने, युवक को जबरन कार में बैठाकर थाने ले जाने, अवैध असलहा बरामदगी का फर्जी वीडियो बनाने, मारपीट और धमकाकर रुपये वसूलने के आरोप में चार-पांच अज्ञात पुलिसकर्मियों समेत पांच लोगों के खिलाफ सुरेरी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप मचा हुआ है।

मामले में वाराणसी जिले के बड़ागांव थाना क्षेत्र के चिलबिला गांव निवासी सुशील कुमार पाण्डेय पुत्र रमाशंकर पाण्डेय ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर पूरे घटनाक्रम की जांच और कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर दर्ज मुकदमे में राजेंद्र दूबे समेत अन्य आरोपितों तथा अज्ञात पुलिसकर्मियों को आरोपी बनाया गया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार 13 सितंबर की सुबह वह अपने घर से करीब 500 मीटर दूर मंदिर जा रहा था। इसी दौरान उसकी जान-पहचान का राजेंद्र दूबे कार लेकर पहुंचा। आरोप है कि कार में पहले से तीन-चार लोग बैठे थे। युवक को कार में बैठने के लिए कहा गया और इसके बाद उसे सुरेरी थाना ले जाया गया।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कार में मौजूद लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और युवक को डराया-धमकाया। थाने पहुंचने के बाद कथित तौर पर उसके साथ ऐसी कार्रवाई की गई, जिससे उसे अपने खिलाफ मुकदमा दर्ज होने और जेल जाने का भय सताने लगा।

शिकायतकर्ता का सबसे गंभीर आरोप है कि थाने में उसके हाथ में कथित तौर पर अवैध असलहा पकड़ाकर वीडियो बनाया गया, ताकि यह दिखाया जा सके कि असलहा उसके पास से बरामद हुआ है। आरोप है कि इसके बाद उसे धमकाकर एक सादे कागज पर हस्ताक्षर भी करा लिए गए।

शिकायतकर्ता का कहना है कि उसके पास न तो कोई अवैध असलहा था और न ही गांजा। उसने आरोप लगाया कि कथित बरामदगी दिखाकर उसे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।

शिकायत के मुताबिक युवक से कथित तौर पर पांच लाख रुपये की मांग की गई। रकम न देने पर उसे और उसके परिवार को जेल भेजने की धमकी दी गई। आरोप है कि लगातार दबाव बनाए जाने के बाद परिवार के लोगों ने 1.05 लाख रुपये नकद दिए।

इसके साथ ही मोबाइल से भी अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर कराए जाने का आरोप है। शिकायत में 55 हजार रुपये, पांच हजार रुपये और 299 रुपये के ऑनलाइन लेनदेन का भी उल्लेख किया गया है।

मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि पैसे देने के बाद भी उसे धमकाया गया कि यदि उसने घटना की शिकायत की या वीडियो वायरल किया तो उसके पैर में गोली मार दी जाएगी और पूरे परिवार को जेल भेज दिया जाएगा। युवक ने अधिकारियों से कथित घटना में इस्तेमाल किए गए वीडियो, मोबाइल से हुए ऑनलाइन लेनदेन, सादे कागज पर कराए गए हस्ताक्षर और कथित असलहा बरामदगी की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

एफआईआर के बाद जांच शुरू, पुलिसकर्मियों की भूमिका भी जांच के घेरे में

अब इस मामले में चार-पांच अज्ञात पुलिसकर्मियों समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद जांच की दिशा महत्वपूर्ण हो गई है। पुलिस के सामने यह पता लगाने की चुनौती है कि शिकायतकर्ता को थाने तक कैसे लाया गया, कथित असलहा कहां से आया, वीडियो किसने बनाया और नकद व ऑनलाइन रकम की कथित वसूली में कौन-कौन लोग शामिल थे। मुकदमा दर्ज होने के बाद अब जांच में सामने आने वाले तथ्य ही यह तय करेंगे कि शिकायत में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। खास तौर पर कथित वीडियो और ऑनलाइन लेनदेन की जांच इस पूरे प्रकरण में अहम कड़ी साबित हो सकती है।

पक्का घर और शौचालय पाकर खिले लाभार्थियों के चेहरे, योजनाओं ने बदली जिंदगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड मछलीशहर के ग्राम चोरहा के लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन से अपने जीवन में आए बदलावों को साझा किया।

ग्राम चोरहा निवासी प्रेमा देवी ने बताया कि पहले उनके पास पक्का मकान और शौचालय की सुविधा नहीं थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें पक्का आवास और शौचालय का लाभ मिला। उन्होंने कहा कि अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

इसी गांव की प्रभावती देवी ने बताया कि वर्षों से पक्के मकान का सपना था। प्रधानमंत्री

आवास योजना का लाभ मिलने से उनका सपना पूरा हुआ और परिवार को सुरक्षित एवं स्थायी आवास मिला।

अक्षय लाल सरोज ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ शौचालय की सुविधा भी मिली है। उन्होंने कहा कि पक्का घर और शौचालय उनके लिए कभी सपना था, लेकिन सरकारी योजनाओं के माध्यम से यह सपना साकार हुआ। अब उनका परिवार स्वच्छ और बेहतर वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहा है।

लाभार्थियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं से गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में प्रत्यक्ष बदलाव आया है। पक्का आवास मिलने से सुरक्षा और स्थायित्व मिला है, जबकि शौचालय की सुविधा से स्वच्छता और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है।

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से सामने आ रही लाभार्थियों की ये कहानियां सरकारी योजनाओं के जमीनी प्रभाव को दशार्ती हैं। अभियान के तहत ऐसे परिवारों के अनुभव साझा किए जा रहे हैं, जिन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

जिला कार्यालय में मनाया आयुर्वेद दिवस, चिकित्सा कर्मियों का सम्मान

झुंझुनूं। जिला कार्यालय में बुधवार को आयुर्वेद दिवस उप निदेशक डॉ अश्विनी कुमार के मुख्यातिथि में समारोह पूर्वक मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता डॉ.मदन लाल सैनी ने की । मंच पर वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ पुरुषोत्तम शर्मा,आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ.महेश झाझडिया,नर्सिंग एसोसिएशन के जिला संयोजक नरेश यादव,परिचारक संघ के देवकरण उपस्थित रहे। आयोजित हुए इस 11 वे आयुर्वेद दिवस पर 7 चिकित्सा अधिकारियों,5 नर्सिंग कर्मियों एक मंत्रालयिक कर्मचारी रामकिशोर शर्मा सहित 3 भामाशाह, भामाशाह प्रेरक के रूप में नर्स सुनीला, 2 परिचारकों व 5 योग प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिले के ब्लॉक नोडल अधिकारी,बीडीके हॉस्पिटल के चिकित्सा अधिकारी, दूर दराज से आए चिकित्सक,भामाशाह व नर्सिंग कर्मी आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अशोक अरडाबतिया ने किया।

वाराणसी खंड में 23 अक्टूबर को वोट, 27 को आएगा नतीजा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव का कार्यक्रम जारी हो गया है। दोनों सीटों के लिए 23 अक्टूबर को सुबह आठ से शाम चार बजे तक मतदान होगा, जबकि 27 अक्टूबर को मतगणना कराई जाएगी। मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल छह दिसंबर 2026 को समाप्त होने के कारण रिक्त होने वाली सीटों के लिए चुनाव कराया जा रहा है।

मंडलायुक्त एवं रिटर्निंग ऑफिसर एस. राजलिंगम ने बताया कि वाराणसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य आशुतोष सिंह और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य लाल बिहारी यादव का कार्यकाल पूरा होने के मद्देनजर निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर को जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि छह अक्टूबर, नामांकन पत्रों की जांच सात अक्टूबर और नाम वापसी की अंतिम तिथि नौ अक्टूबर होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को मतगणना होगी। निर्वाचन प्रक्रिया हर हाल में 31 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम जारी होते ही आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है। आयोग के निदेर्शों के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में आचार संहिता के प्रावधान प्रभावी रहेंगे।

मतदाताओं को रिझाने की कवायद शुरू

वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संभावित दावेदार भी सक्रिय हो गए हैं। दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे प्रत्याशियों ने मतदाताओं से संपर्क साधना शुरू कर दिया है। बैठकों, व्यक्तिगत मुलाकातों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से अपने पक्ष में माहौल बनाने की कवायद तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है।

सैमसंग गैलेक्सी फॉरएवर से गैलेक्सी Z फोल्ड8 और फोल्ड8 अल्ट्रा खरीदना हुआ आसान

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने 'गैलेक्सी फॉरएवर' प्रोग्राम के तहत अपने सबसे नए फ्लैगशिप फोल्डेबल स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा और गैलेक्सी Z फोल्ड8 के लिए एक नया आसान पेमेंट प्लान पेश किया है। यह प्लान सैमसंग के फोल्डेबल को खरीदना पहले से कहीं ज्यादा आसान और किफायती बनाता है। इस 2 साल के प्रोग्राम के तहत, ग्राहक गैलेक्सी फॉरएवर प्रोग्राम फीस के साथ फोन की कुल कीमत का सिर्फ 60 प्रतिशत 24 महीनों की किस्तों में चुकाकर फोन ले सकते हैं। इससे हर महीने की किस्त में 25% की कमी आती है, जिससे भुगतान करना काफी आसान हो जाता है। इस प्लान के जरिएगैलेक्सी Z फोल्ड8 अल्ट्रा की महीने की किस्त 9,417 रुपये से घटकर 6,997 रुपये हो जाती है, जबकि गैलेक्सी Z फोल्ड8 की किस्त 8,584 रुपये से घटकर 6,416* रुपये रह जाती है। 'गैलेक्सी फॉरएवर' प्रोग्राम के तहत 24 महीने की ईएमआई (60% भुगतान) पूरी होने के बाद ग्राहकों को बाकी बची 40% राशि का एकमुश्त (बुलेट) भुगतान करना होता है। 24 महीने समाप्त होने पर ग्राहकों के पास तीन आसान विकल्प उपलब्ध होते हैं: वे चाहें तो अपना पुराना फोन वापस करके सैमसंग का सबसे नया गैलेक्सी मॉडल ले सकते हैं (अपग्रेड विकल्प), या शेष 40% रकम चुकाकर फोन अपने पास ही रख सकते हैं (रिटेन विकल्प), अथवा बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के फोन वापस करके इस प्रोग्राम से पूरी तरह बाहर हो सकते हैं (रिटर्न विकल्प)।

स्नेहा दुबे पंडित ने नायगांव पुलिस स्टेशन में गणपति बप्पा के दर्शन किए

नायगांव। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नायगांव पुलिस स्टेशन, जूचंद्र रोड, नायगांव पूर्व में विराजमान श्री गणपति बप्पा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और क्षेत्रवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने नायगांव पुलिस स्टेशन से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ-साथ क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं और आवश्यक मुद्दों पर पुलिस अधिकारियों एवं उपस्थित पदाधिकारियों के साथ सकारात्मक चर्चा की।

कार्यक्रम में नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय दादू हजारे, नवीन दुबे, भाजपा जिला सचिव प्रवीण गावड़े, भाजपा वसई ईस्ट साउथ मंडल के महासचिव धरेंद्र कुलकर्णी, वसई सिटी मंडल के महासचिव संतोष काकड़, प्रतीक चौधरी, संकल्प राउत एवं पुंडलिक राठौड़ सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि गणपति बप्पा की कृपा सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, यही बप्पा के चरणों में उनकी प्रार्थना है।

38 करोड़ के सॉलिड वेस्ट घोटाले को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

वसई-विरार। वसई-विरार महानगरपालिका में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़े कथित 38 करोड़ रुपये के घोटाले और नागरिकों की बढ़ती समस्याओं को लेकर भाजपा नगरसेवकों ने बुधवार, 23 सितंबर को महानगरपालिका मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व महानगरपालिका में विपक्ष के नेता मनोज पाटील ने किया। मीडिया से बातचीत में मनोज पाटील ने आरोप लगाया कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट मामले में केवल ठेकेदार ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि बिलों की जांच और मंजूरी देने वाले संबंधित अधिकारी, प्रक्रिया को मंजूरी देने वाले कंसल्टेंट तथा भुगतान से जुड़े अधिकारी भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

पाटील ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी थी कि ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत बिलों और काम की उचित जांच के बाद ही भुगतान किया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने मांग की कि मामले की विभागीय जांच कर संबंधित अधिकारियों को जांच पूरी होने तक महत्वपूर्ण पदों से हटाया जाए तथा संबंधित कंसल्टेंट की भूमिका की भी जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए।मनोज पाटील ने कहा कि महानगरपालिका आयुक्त के समक्ष कई मुद्दे उठाने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण भाजपा को विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा संबंधित वरिष्ठ एजेंसियों के समक्ष लगातार मामला उठाती रहेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जारी रखेगी।

परिश्रम संस्था की तरफ से निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन

जौनपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर जनसेवा के उद्देश्य से परिश्रम संस्था की ओर से निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर 24 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे तेजीबाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित है। शिविर का उद्घाटन जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह करेंगे। शिविर में क्षेत्र के लोगों की आंखों की निःशुल्क जांच की जाएगी। नेत्र परीक्षण के बाद जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मे भी वितरित किए जाएंगे। संस्था के सचिव एडवोकेट अखिलेश चौबे ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों तक नेत्र जांच और चश्मे की सुविधा पहुंचाना है। कार्यक्रम में श्यामराज सिंह, पूर्व सदस्य जिला पंचायत तथा एडवोकेट अखिलेश चौबे, सचिव, परिश्रम संस्था सहित अन्य लोग मौजूद रहेंगे। संस्था के सचिव ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

वसई रोड में राजा और सम्राट महाराजा के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम के अंबानी रोड स्थित भाजपा नेता हरीश बेदी एवं गणेश पागे के यहां विराजमान राजा और सम्राट महाराजा के गणेशोत्सव में भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने भावपूर्वक पूजा-अर्चना कर दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता छोटू आनंद, हरीश बेदी, लालजी कनौजिया, कल्पेश चौहान, मनीष राठौर, कमलेश मोरिया, आयुषी बगाड़िया, निकिता बगाड़िया एवं हेमंत बगाड़िया सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने भगवान गणेश की विधिवत पूजा कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

जरूरतमंदों के बीच मनाया वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का जन्मदिन

रचना विशेष विद्यालय में कंप्यूटर-प्रिंटर, वृद्धाश्रम में फल-भोजन व ई-रिक्शा की बैटरी और सिटी स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों के लिए दी गईं पांच व्हीलचेयर

जौनपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर उनके समर्थकों ने विभिन्न स्थानों पर सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए। जन्मदिन के मौके पर पौधरोपण से लेकर जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांग यात्रियों और मरीजों की मदद तक कई कार्यक्रम हुए। इस दौरान समर्थकों ने जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उपलब्ध कराई और रक्तदान भी किया। कार्यक्रमों की शुरूआत टीडीएमसी स्कूल बनरहिया बाग, धमापुर में ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधरोपण से हुई। समर्थकों ने पौधे लगाए और उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए। इसके बाद समर्थक रचना विशेष विद्यालय, महंगूपुर, शीतला चौकियां धाम पहुंचे। यहां विद्यालय के बच्चों के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदान किए गए। बच्चों के साथ केक काटकर भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए। इसके बाद समर्थक वृद्धाश्रम, सैय्यद अलीपुर, सुक्खीपुर पहुंचे। यहां वृद्धजनों को भोजन और फल वितरित किए गए। वृद्धाश्रम के लोगों की आवागमन संबंधी आवश्यकता को देखते हुए उनके ई-रिक्शा के लिए बेहतर गुणवत्ता की बैटरी भी उपलब्ध कराई गई। सेवा कार्यक्रमों की अगली कड़ी में समर्थक सिटी स्टेशन पहुंचे। यहां वृद्ध और दिव्यांग यात्रियों की यात्रा को सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से स्टेशन परिसर के लिए पांच व्हीलचेयर प्रदान की गईं। इसके बाद ईशा हॉस्पिटल में समर्थकों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर आसानी से रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

हर साल जरूरतमंदों के बीच मनाते हैं जन्मदिन

गौरतलब है कि ज्ञान प्रकाश सिंह का जन्मदिन पूरे देशभर में मनाया जाता है, और इसे जरुरतमंदों कों समर्पित करते है, इस अवसर पर उनकी जरूरत के मुताबिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ सेवा कार्य किए जाते हैं। जन्मदिन के मौके पर सेवा का यह सिलसिला लगातार जारी है। ज्ञान प्रकाश सिंह का मानना है कि जरूरतमंदों के बीच अपना जन्मदिन मनाने से मन को सुकून और आनंद की अनुभूति होती है। उनका कहना है कि जब ईश्वर ने उन्हें दूसरों की मदद करने योग्य बनाया है तो गरीबों और जरूरतमंदों का सहयोग करना उनका भी कर्तव्य है।

समर्थकों द्वारा आयोजित इन सेवा कार्यक्रमों में भी इसी सोच की झलक दिखाई दी, जहां अलग-अलग जरूरतों के अनुसार लोगों की मदद की गई। इस अवसर पर टीडीएमसी स्कूल की प्रधानाचार्य अर्चना सिंह, दिलीप सिंह, ज्ञान स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच अशोक सोनकर, रमेश सिंह 'रामा' बबलू दूबे, मयंक नारायण, जेपी श्रीवास्तव, अनुराग तिवारी, आशीष द्विवेदी, रिशू सिंह, शिवा सिंह, हर्ष सिंह, अजय शुक्ल, मोहम्मद अब्बास, शुभम गुप्ता, अर्जुन राय, प्रेम मिश्र, युवराज शुक्ल, रितिक रघुवंशी, शक्ति शुक्ला, सचिन सिंह, ओम सिंह, समर्थ सिंह, श्रेयस सिंह, अमर सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में ज्ञानप्रकाश सिंह के प्रतिनिधि रुपेश रघुवंशी शिवा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विरार में अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय बनाने की मांग सफल, राज्य सरकार ने दी मंजूरी

वसई। वसई तालुका की बढ़ती आबादी और नागरिकों की सुविधा को देखते हुए विधायक राजन नाइक की ओर से विरार में स्वतंत्र अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय स्थापित करने की मांग आखिरकार सफल हुई है। राज्य सरकार ने मंगलवार को विरार में अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय शुरू करने को मंजूरी देने संबंधी शासन निर्णय जारी किया।

इस निर्णय से वसई तालुका के विरार क्षेत्र सहित चार मंडलों–विरार, मांडवी, अगाशी और बोलिंज–के नागरिकों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए वसई तहसीलदार कार्यालय तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे नागरिकों के समय और आवागमन की बचत होगी।

विधायक राजन नाइक ने बताया कि वसई स्थित तहसीलदार कार्यालय नालासोपारा और विरार से काफी दूर होने के कारण नागरिकों को राजस्व संबंधी कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 28 जनवरी और 1 अगस्त को विरार में स्वतंत्र अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय स्थापित करने की मांग की थी।

इस मामले में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने भी 11 सितंबर 2025 को मुंबई के सह्याद्री अतिथि गृह में कोंकण क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक में स्वतंत्र अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय स्थापित करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद विधायक राजन नाइक की ओर से लगातार फॉलोअप किया गया। राजस्व विभाग ने 2 अप्रैल 2026 को जारी शासन निर्णय के माध्यम से वसई तालुका में स्वतंत्र अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय के लिए संशोधित संरचना को मंजूरी दी थी। अब राज्य सरकार ने विरार में इस कार्यालय की स्थापना को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है।

नई व्यवस्था के अनुसार विरार, मांडवी, अगाशी और बोलिंज राजस्व मंडल अतिरिक्त तहसीलदार कार्यालय, विरार के अंतर्गत रहेंगे, जबकि वसई, पेल्हार, निर्मल, मानिकपुर, कामन आदि क्षेत्र वसई तहसीलदार कार्यालय के अंतर्गत रहेंगे। विधायक राजन नाइक ने राज्य सरकार के निर्णय पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वसई तालुका के नागरिकों की कई वर्षों से चली आ रही मांग पूरी हुई है। उन्होंने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का आभार व्यक्त किया।

इंदौर में दफपर काला कपड़ा बांधा.. UPI लेन-देन पर प्रस्तावित मर्चेंट शुल्क के विरोध में सांकेतिक प्रदर्शन

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में 2 हजार से ज्यादा के UPI लेन-देन पर प्रस्तावित मर्चेंट शुल्क के विरोध में मध्यक्षेत्र के व्यापारियों ने बुधवार को 'नो UPI डे' मनाया। व्यापारियों ने दुकानों पर लगे UPI QR कोड को काले कपड़े से ढंक दिया और दिनभर नगद में कारोबार किया। व्यापारिक संगठनों की ओर से इसे शांतिपूर्ण और सांकेतिक विरोध बताया गया। पिछले कुछ दिनों से शहर में इस मुद्दे को लेकर अभियान चल रहा था। मंगलवार को इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारी बाजार की दुकानों पर पहुंचे और व्यापारियों व ग्राहकों से एक दिन UPI का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की थी। अहिल्या चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आह्वान पर इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन भी अभियान में शामिल हुआ। बुधवार दोपहर राजबाड़ा के पीछे मुख्य बाजार में व्यापारियों ने अपने UPI बारकोड बॉक्स एकत्र किए और उन्हें सामूहिक रूप से काले कपड़े से ढंककर विरोध दर्ज कराया।इसके अलावा एसोसिएशन से जुड़े प्रतिष्ठानों पर 'नो UPI डे' के पोस्टर भी लगाए गए। व्यापारियों ने ग्राहकों से भी अभियान में सहयोग की अपील की। अभियान के तहत व्यापारियों ने ग्राहकों से भी एक दिन UPI का उपयोग नहीं करने की अपील की। व्यापारियों का कहना है कि 'नो UPI डे' का उद्देश्य ग्राहकों को असुविधा देना नहीं, बल्कि प्रस्तावित मर्चेंट शुल्क के प्रति अपनी चिंता शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक तरीके से दर्ज कराना है।

वीर इन्द्रा सोशल ग्रुप सोसाइटी के सौजन्य से बच्चों को मिली ट्रैकसूट,शूज और खेल सामग्री

जौनपुर। जनपद के बदलापुर विकास खंड के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय कमालपुर,बदलापुर, जौनपुर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। नई दिल्ली में कार्यरत रेल भूमि विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक ओम प्रकाश यादव (IRAS) के विशेष प्रयास और मनोज कुमार दुबे उटऊ भारतीय रेलवे वित्त निगम नई दिल्ली के सौजन्य से देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी के उरफ फण्ड से विद्यालय की छात्राओं को ट्रैकसूट और जूते (शूज) वितरित किए गए। इसके साथ ही, बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में खेलकूद के लगभग सभी आवश्यक सामान भी भिजवाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त उच्च गुणवत्ता के सामान की आपूर्ति प्रतिष्ठित एनजीओ वीर इंद्रा सोशल ग्रुप सोसाइटी द्वारा की गई है। विद्यालय में खेल के नए उपकरण और खेल सामग्रियां पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों ने उत्साहपूर्वक कहा कि अब उन्हें विद्यालय में खेलकूद के बेहतर अवसर और अपनी प्रतिभा निखारने का पूरा मौका मिलेगा।

इस पुनीत कार्य को धरातल पर उतारने में विद्यालय के समस्त स्टाफ के समन्वित और अथक प्रयासों के कारण ही विद्यालय को यह बड़ी सौगात मिल सकी है। इस अभूतपूर्व सहयोग के लिए समस्त विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों की ओर से मनोज कुमार दुबे अध्यक्षएवं प्रबंध निदेशक IRFC , ओम प्रकाश यादव महाप्रबंधक, रेल भूमि विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली और एनजीओ वीर इंद्र सोसाइटी के प्रति हृदय से आभार और धन्यवाद व्यक्त किया गया है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार शिव पूजन पाण्डेय, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनिल यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश मिश्र, मन्त्री राय साहब यादव, पूर्व माध्यमिक के अध्यक्ष नन्द कुमार यादव, अटेवा के ब्लॉक अध्यक्ष गौरव यादव, मन्त्री आलोक यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव ,सीमा, लाल बहादुर, कमालपुर के प्रधान जय प्रकाश यादव व विद्यालय के समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

योगा ग्रुप द्वारा गणेश उत्सव में सुन्दरकाण्ड व भजन संध्या संपन्न

-लालशेखर सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित दुर्वास अपार्टमेंट के गणेश पंडाल में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी योगा ग्रुप के संयोजन में गणेश उत्सव मनाया जा रहा है !इस आयोजन में सुप्रसिद्ध व्यवसायी व समाज सेवी अजय सिंह ठाकुर और अरुण उपाध्याय प्रमुख भूमिका में लगे हुए हैं. दुर्वासा अपार्टमेंट स्तिथ गणेश पंडाल में योगा ग्रुप सहित सभी रहिवासियों की भगवान गणेश के प्रति आस्था और भक्ति दर्शनीय हैं !भक्ति भाव से प्रेरित योगा ग्रुप द्वारा मंगलवार 22 सितम्बर 2026 को अपराह्न 3बजे से रात्रि 9 बजे तक दुर्वासा अपार्टमेंट के गणेश पंडाल में कौशिक जी के सानिध्य में सुन्दरकाण्ड एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सधे हुए वादक वृंदो की संगत पर कौशिक जी और साथियों ने सुन्दरकाण्ड का सुमधुर गायन और लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति से समस्त जनमानस को मन्त्रमुग्ध कर दिया. दुर्वासा अपार्टमेंट -गणेश पंडाल के भक्तिमय वातावरण में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमहापौर उमेश नाईक, उद्योगपति व वरिष्ठ समाजसेवी बिजेंद्र सिंह,वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह राजेश पांडे, केडी शर्मा अजय तिवारी, विजय सिंह "डब्लू" विजय मिश्रा, बबलू सिंह 'रानू' रिशु सिंह, सोनू सिंह, संजय सिंह, राजेश सिंह, भानु सिंह, अवधेश उपाध्याय, डीडी उपाध्याय, के.आर. सिंह, राधेश्याम सिंह वीरेंद्र गुप्ता सीबी सिंह हिमांशु सिंह धर्मेंद्र सिंह रमेश दुबे नरेंद्र सिंह ए बी सिंह, समाज सेविका सुधा दूबे, कुसुम सिंह, अशोका तिवारी आदि अनेक गणमान्य लोगों ने गणेश पंडाल में उमड़े भक्तों के साथ गणेश भगवान के दर्शन, पूजन और प्रसाद का लाभ प्राप्त किया.गणेश उत्सव में आने वाले भक्तों का योगा ग्रुप के सदस्यों और प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा आतिथ्य भाव से स्वागत सत्कार किया गया.

चौराहे पर युवक पर धारदार हथियार से हमला, दो घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के तूतीपुर मोहल्ले में बुधवार को चौराहे पर एक युवक पर धारदार हथियार से हमला किए जाने से अफरा-तफरी मच गई। घटना में मुल्ला टोला बड़ी मस्जिद निवासी आजम के घायल होने की सूचना है। हमले के दौरान उसके बड़े भाई सैफुद्दीन को भी चोटें आईं। आरोप है कि करीब 15 से 20 लोगों ने धारदार हथियारों से आजम पर हमला किया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमले के कारणों, घटना में शामिल लोगों तथा लगाए गए आरोपों की पड़ताल कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर सुदामा नगर स्थित गुरुकृपा अपार्टमेंट फ्लैट नंबर 203 में दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के आवास पर विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन करने पहुंचे राधेश्याम शर्मा व भालचंद्र गोयल ने लिया आशीर्वाद। छायाः उत्तरशक्ति

कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, परिजनों ने हाईवे किया जाम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शिवापार गांव के पास लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर बुधवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन लेकर भागने लगा, जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने हाईवे पर करीब एक घंटे तक चक्का जाम कर दिया। इससे मार्ग पर लगभग तीन किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। मृतक की पहचान शिवापार गांव निवासी 42 वर्षीय मिथुन पुत्र संतलाल के रूप में हुई है। बताया गया कि मिथुन दिहाड़ी मजदूरी का काम करने के बाद साइकिल से अपने घर लौट रहा था। घर से करीब 100 मीटर पहले वह हाईवे से अपने घर की ओर मुड़ रहा था। इसी दौरान वाराणसी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मिथुन साइकिल समेत करीब 70 मीटर दूर जा गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने भाग रही कार को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार में तीन लोग सवार थे और उनके नशे में होने की बात कही जा रही है। कार से बीयर की बोतल मिलने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। आक्रोशित परिजन आरोपी चालक की गिरफ्तारी, कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग को लेकर हाईवे पर बैठ गए। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई और आर्थिक मदद का आश्वासन दिए जाने के बाद पुलिस ने समझा-बुझाकर करीब एक घंटे बाद जाम समाप्त कराया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो फीट ऊंची नाली के निर्माण पर सपा नेता ने उठाए सवाल

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हाईडिल फील्ड से कांशीराम आवास तक सड़क किनारे नगर पालिका द्वारा कराए गए नाली निर्माण को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने नाली की ऊंचाई, जल निकासी की व्यवस्था और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए मामले की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की। पूर्व विधायक ने मौके का निरीक्षण कर कहा कि सड़क किनारे करीब दो फीट ऊंची नाली का निर्माण कराया गया है। ऐसे में नाली में आने वाले पानी की निकासी किस दिशा में होगी, यह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि उचित ड्रेनेज व्यवस्था नहीं होने पर बारिश के समय जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना समुचित ड्रेनेज प्लान और तकनीकी सर्वे के निर्माण कराकर जनता के धन का दुरुपयोग किया गया है। नाली की ऊंचाई से सड़क की पटरी प्रभावित होने और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा होने की बात भी कही। अविनाश कुशवाहा ने नाली के डिजाइन, तकनीकी स्वीकृति, निर्माण गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की।

सुरेश प्रजापती ने गणपती बाप्पा के दर्शन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया

वसईरोड। दक्ष फाउंडेशन के राष्ट्रीय नेता सुरेश प्रजापतीने अपने सहमित्र मार्कंड पांडे और शेमळ अजगिया के साथ वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के घर विराजमान गणपती दादा के दर्शन करने के लिए गये जहा स्नेहा दुबे के परिवार को मिलकर नवीन दुबे,मयंक दुबे के साथ दर्शन किया और आशीर्वाद प्रसाद ग्रहण किया बाद मे भाजपा नेता हरीश बेदी के विराजमन गणपती बाप्पा के पावन अवसर पर दर्शन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया सभी ने भाव पूर्वक दर्शन किया।